Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022
अम्बिकापुर , वर्ष 19,अंक -60 शुक्रवार ,30 दिसम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें
अपने कार्य द्वारा तुम कोई भी चमत्कार कर सकते हो।
- स्वामी विवेकानंद-

संक्षिप्त खबरें

सीआरपीएफ ने कहा राहुल गांधी ने खुद ही किया 113 बार नियमों का उल्लंघन

नई दिल्ली ,29 दिसंबर 2022(ए)। कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सुरक्षा में चूक का जिक्र करने के एक दिन बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने बयान दिया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कई मौकों पर निर्धारित दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया है। सीआरपीएफ ने गृह मंत्रालय को बताया है कि राहुल गांधी ने 2020 से अब तक 113 बार सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन किया है। ऐसा भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी हुआ है। यही नहीं सीआरपीएफ ने कहा कि राहुल गांधी की सुरक्षा में पूरे प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है। उन्हें जेड प्लस सुरक्षा दी गई है और उसके मानकों के तहत कोई कसर नहीं छोड़ी जाती है, लेकिन खुद राहुल गांधी ही कई बार सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कर चुके हैं और लोगों से मिलने के लिए निकल जाते हैं।

चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में गिरा यात्री, बाल-बाल बचा यात्री

गाजीपुर ,29 दिसंबर 2022(ए)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के माहपुर रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश के दौरान एक यात्री की जान बचाने के लिए प्लेटफॉर्म के एक हिस्से को तोड़ना पड़ा। रेलवे के मुताबिक प्रयागराज रामबाग मऊ मेमू एक्सप्रेस के ट्रेन गार्ड राजेश कुमार उपाध्याय ने यात्री को बचाने के लिए इमरजेंसी ब्रेक लगाया। हादसे का एक वीडियो वायरल हुआ है, इसमें एक शख्स प्लेटफॉर्म के किनारे की कंक्रीट को तोड़ता नजर आ रहा है, जबकि यात्री बचाव दल से उसे बचाने की गुहार लगा रहा है। एनईआर के वाराणसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने कहा, चलती ट्रेन पर चढ़ने का प्रयास कर रहे यात्री ने अपना संतुलन खो दिया और प्लेटफॉर्म व ट्रेन के बीच की संकरी खाई में गिर गया। उसे गिरते देख ट्रेन के गार्ड राजेश कुमार उपाध्याय ने आपातकालीन ब्रेक लगा दिया। दुर्घटना के समय मजदूर ट्रेन के बगल में एक रेल ट्रैक बिछा रहे थे। श्रमिकों में से एक ने प्लेटफॉर्म के किनारे को तोड़ दिया और यात्री को बचा लिया गया। उसे मामूली चोटें आईं।

5 बच्चों की मां ने 9वीं के छात्र से किया रेप

लखनऊ,29 दिसंबर 2022(ए)। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में एक अलग सा मामला ही सामने आया है। यहां एक पांच बच्चों की मां ने एक 9वीं के छात्र के साथ रेप किया है। प्रथम जानकारी के अनुसार आरोपी महिला ने इस वारदात के लिए इसी साल अप्रैल महीने में पीड़ित छात्र को अपने प्रेम जाल में फंसाकर अगवा कर लिया था। पीड़ित छात्र के पिता ने उसी समय पुलिस में शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार करते हुए पीड़ित को मुक्त कराया है और जांच कर रही है।

सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की डेट जारी

नई दिल्ली ,29 दिसंबर 2022(ए)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने गुरुवार को वर्ष 2023 के लिए 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं की सत्र 2022-23 की बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से आयोजित होंगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने बताया कि दोनों कक्षाओं के छात्रों की सुविधा के लिए हर परीक्षा के बीच में पर्याप्त अंतराल दिया गया है। 10वीं की परीक्षाएं 21 मार्च और 12वीं की पांच अप्रैल को खत्म होंगी।

जेईई परीक्षाओं का रखा गया ध्यान

बोर्ड ने कहा कि 12वीं की डेटशीट को बनाते समय बोर्ड ने जेईई की परीक्षाओं का भी ध्यान रखा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने काफी पहले डेटशीट जारी की है ताकि छात्रों के पास परीक्षा की तैयारी के लिए प्रर्याप्त समय हो। उन्होंने कहा कि छात्रों को अब मुख्य परीक्षा की तैयारियां करनी चाहिए। वहीं, ये परीक्षाओं कुल तीन घंटे की होंगी। परीक्षा सुबह साढ़े दस से शुरू होंगी। छात्र सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर डेटशीट डाउनलोड कर सकते हैं।

प्रायोगिक परीक्षाएं एक जनवरी से होंगी आयोजित

वहीं, प्रायोगिक परीक्षाएं एक जनवरी 2023 से आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई ने अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अलग अलग विषयों के लिए सैंपल पेपर भी जारी किया है। स्टूडेंट्स इसकी मदद से समय रहते परीक्षा की अच्छी तैयारी कर सकते हैं।

कक्षा 10

तारीख	विषय
15 फरवरी -	पेंटिंग
16 फरवरी -	रिटेल/सिक्योरिटी/डाटा साइंस
27 फरवरी -	अंग्रेजी
4 मार्च-	विज्ञान
6 मार्च-	गृह विज्ञान
9 मार्च-	एलिमेंट्स आफ बिजनेस
11 मार्च-	संस्कृत
13 मार्च-	कंप्यूटर एप्लीकेशन
5 मार्च-	सामाजिक विज्ञान
17 मार्च-	हिंदी
21 मार्च-	गणित

कक्षा 12

तारीख	विषय
15 फरवरी-	उद्यमिता
16 फरवरी-	बायोटेक्नोलाजी
20 फरवरी -	हिंदी
21 फरवरी-	डाटा साइंस
22फरवरी-	आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस
24 फरवरी-	अंग्रेजी
25 फरवरी-	मार्केटिंग
27 फरवरी-	मल्टीमीडिया
28 फरवरी-	रसायन विज्ञान
2 मार्च-	भूगोल
3 मार्च-	योगा
6 मार्च-	भौतिक विज्ञान
9 मार्च-	लीगल स्टडीज
11 मार्च-	गणित
13 मार्च-	शारीरितक शिक्षा
16 मार्च -	जीव विज्ञान
17 मार्च-	अर्थशास्त्र
18 मार्च -	पेंटिंग
20 मार्च -	राजनीति विज्ञान
21 मार्च-	आइटी
23 मार्च-	कंप्यूटर साइंस
25 मार्च-	बिजनेस स्टडीज
29 मार्च-	इतिहास
31 मार्च -	अकाउंटेंसी
1 अप्रैल-	गृह विज्ञान
3 अप्रैल -	समाज शास्त्र
4 अप्रैल -	संस्कृत/ उर्दू
5 अप्रैल -	मनोविज्ञान

आईएएस बनीं रानी बंसल की सेवाएं समाप्त

काले धन मामले में सीबीआई पूछताछ से आई थीं चर्चा में

भोपाल ,29 दिसंबर 2022(ए)। साढ़े तीन साल से गायब मध्यप्रदेश कैडर की 2015 बैच की आईएएस अधिकारी रानी बंसल की सेवाएं केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण (डीओपीटी) विभाग ने समाप्त कर दी है। मध्यप्रदेश के सामान्य प्रशासन विभाग के प्रस्ताव पर बंसल का डीम्ड रिजाइन लेटर मानकर कार्रवाई की गई। रानी बंसल बागली में एसडीएम रहते हुए बिना बताए गायब हो गई थीं।

एसडीएम के पद पर थीं कार्यरत

2015 बैच की आईएएस अधिकारी रानी बंसल बागली में एसडीएम पद पर पदस्थ थी। रानी बंसल भोपाल की रहने वाली हैं। उन्होंने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया है। यूपीएससी में उनकी 64वीं रैंक आई थी। रानी बंसल एसडीएम बागली के पद पर थी। 31 मई 2019 से बिना बताए अपनी ड्यूटी से गायब चल रही थी। मध्य प्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने उनके पते पर कई बार नोटिस भेजे, लेकिन उनका कोई जवाब नहीं मिला।

इस नियम के तहत हटाया

सामान्य प्रशासन विभाग मध्य प्रदेश ने उनकी जानकारी डीओपीटी को भेजकर उनका स्वत- इस्तीफा मंजूर करने का प्रस्ताव भेजा था। जिसे डीओपीटी ने स्वीकर कर लिया। उन्हें अखिल भारतीय सेवा नियमावली 1955 के नियम 7(2)(क) के तहत हटाया गया है।

पिता बोले लंबे समय से बीमार हैं रानी

रानी बंसल के पिता से जब उनकी गैर हाजिरी को लेकर पूछा गया तो उन्होंने बताया कि मेरी बेटी रानी बंसल लंबे समय से बीमार चल रही है। अभी फिलहाल कुछ और समय नौकरी में जॉइन करने की इच्छुक नहीं हैं। वे फिलहाल मुंबई में अपने पति केतन बिश्नोई के साथ रह रही हैं। मैं पहले भोपाल फैक्कर अस्पताल में मेडिकल शॉप चलाता था। अब दुकान बंद कर दी है।

काले धन के मामले में आई थीं चर्चा में

रानी बंसल के पति कस्टम इंस्पेक्टर हैं। साल 2017 में जब वे नरसिंहपुर के गाडरवारा में पदस्थ थीं, तब काले धन के मामले में सीबीआई द्वारा पूछताछ को लेकर वे चर्चा में आई थीं। सीबीआई ने रानी के पति के दोस्त कस्टम इंस्पेक्टर परमानंद सिंघानिया के मामले में उनसे पूछताछ की थी। दरअसल सिंघानिया ने रानी बंसल के खाते में ₹14 लाख ट्रांसफर किए थे। उस समय रानी ने बताया था कि उनके पति ने सिंघानिया को यह राशि दी थी जिसे उन्होंने वापस किया है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान विधायक सतीश सिकरवार ने एक सवाल के जरिए मध्य प्रदेश के उन आईएएस अफसरों की जानकारी मांगी थी, जिन्होंने अपना अचल संपत्ति का ब्यौरा नहीं दिया था। सामान्य प्रशासन विभाग ने बताया था कि रानी बंसल सहित तीन आईएएस ऐसे हैं, जिन्होंने यह ब्यौरा नहीं दिया है।

पीएफआई के 56 ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

तिरुवनंतपुरम ,29 दिसंबर 2022(ए)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण के अधिकारियों ने आज केरल में प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के दूसरे दर्जे के नेताओं के आवास सहित कई स्थानों पर छापेमारी की। केरल पुलिस के सूत्रों ने बताया कि बुधवार देर रात शुरू हुई छापेमारी अब भी जारी है।

वोट करने के लिए नहीं करना पड़ेगा सफर

अब कहीं से भी कर सकेंगे मतदान

नई दिल्ली ,29 दिसंबर 2022(ए)। बहुत से लोग अपना शहर और राज्य छोड़कर बाहर रहते है। ऐसे में जब इलेक्शन का समय आता है तो उन्हें होने राज्य अपने घर आना पड़ता है और बहुत से लोग नहीं आ पते। ऐसे में चुनाव आयोग ने रोजगार, शिक्षा व अन्य कारणों से अपने शहर को छोड़कर देश के दूसरे नगर या स्थान में रहने वाले लोगों के लिए रिमोट वोटिंग सुविधा देने पर काम शुरू किया है। आने वाले दिनों में देश में कहीं से भी कोई व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र से ही मतदान कर सकेगा। प्रवासी मतदाताओं को वोट करने के लिए वापस अपने गृह नगर जाने के झंझट से मुक्ति मिलेगी। चुनाव आयोग ने प्रोटोटाइप रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी आरवीएम को विकसित किया है। रिमोट वोटिंग के लिए चुनाव आयोग ने प्रोटोटाइफ रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को तैयार किया है। यह

मशीन एक पोलिंग बूथ से 72 अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग करवा सकती है। चुनाव आयोग ने प्रोटोटाइप आरबीएम के प्रदर्शन के लिए राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया है। इस पर आयोग कानूनी, प्रक्रियात्मक प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियों पर राजनीतिक दलों से राय लेगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, आधुनिक तकनीक के युग में महज प्रवासी होने के आधार पर मतदान के अधिकार से वंचित किया जाना स्वीकार योग्य विकल्प नहीं है। आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आम चुनाव 2019 में 67.4 प्रतिशत मतदान हुआ था। आयोग 30 करोड़ से अधिक निर्वाचकों द्वारा मतदान करने के अपने अधिकार का प्रयोग नहीं करने और कई राज्यों में मतदान का प्रतिशत अलग-अलग होने को लेकर सजग है। यह माना जाता है कि एक वोटर की ओर से रहने के नए स्थान में रजिस्ट्रेशन ना कराने और इस तरह मतदान करने के अधिकार का प्रयोग करने का अवसर गंवाने के अनेक कारण होते हैं।

देश का पहला एक्सप्रेस-वे जहां पर उतारा जा सकता है प्लेन

नई दिल्ली ,29 दिसंबर 2022(ए)। देश का पहला ग्रीन कॉरिडोर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे 1380 किलोमीटर लंबा है। कॉरिडोर का डिजाइन इस तरह का है कि अगर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़े तो इस पर प्लेन उतारा जा सकता है। इसको लेकर आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में नेशनल हाईवे 16 पर फ्लाइट्स को उतारने का ट्रायल आज किया गया। यह ट्रायल सफल भी रहा है। दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर का दिल्ली से दौसा

तक पहला हिस्सा जनवरी में शुरू हो जाएगा। यह 220 किलोमीटर की दूरी लोग दो घंटे में पूरा कर सकेंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, इस कॉरिडोर के दौसा तक के हिस्से का 99.9 फीसदी काम पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का काम चल रहा है। जैसे ही हरी झंडी मिल जाएगी यह हाइवे शुरू कर दिया जाएगा। दिल्ली से मुंबई तक पूरा कॉरिडोर दिसंबर 2023 तक पूरा होने का अनुमान है।

सीरम इंस्टीट्यूट केंद्र सरकार को मुफ्त में देगी वैक्सीन की 2 करोड़ खुराक

नई दिल्ली ,29 दिसंबर 2022(ए)। भारत में कोरोना के खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसी बीच अदार पूनावाला के सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने केंद्र सरकार को कोविशील्ड वैक्सीन की दो करोड़ खुराक मुफ्त प्रदान करने की पेशकश की है।

आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि, सीरम इंस्टीट्यूट में सरकार और नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखकर 410 करोड़ रुपए की मुफ्त खुराक देने की पेशकश की है। सीरम इंस्टीट्यूट के निदेशक ने मंत्रालय से जानना चाहा है कि डिलीवरी कैसे की जा सकती है। स्द्ध्ढ्ढ ने अब तक राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के लिए सरकार को कोविशील्ड की 170 करोड़ से अधिक खुराक प्रदान की है।

ब्रह्मोस मिसाइल के एडवांस संस्करण का सफलतापूर्वक परीक्षण

नई दिल्ली ,29 दिसंबर 2022(ए)। भारतीय वायु सेना ने गुरुवार को सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट से ब्रह्मोस मिसाइल के विस्तारित रेंज का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि वायु सेना ने समुद्र में स्थित लक्ष्यों को सुखोई-30 फाइटर जेट से टारगेट करके नष्ट करने की क्षमता हासिल की। जानकारी के अनुसार, इसका सफल परीक्षण बंगाल की खाड़ी में किया गया।

रक्षा मंत्रालय ने बताया, भारतीय वायु सेना ने आज एसयू-30एमकेआई विमान से एक जहाज लक्ष्य के खिलाफ ब्रह्मोस मिसाइल के विस्तारित रेंज संस्करण को सफलतापूर्वक दागा।

वायु सेना ने हासिल की महत्वपूर्ण शक्ति

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस परीक्षण के साथ ही भारतीय वायु सेना ने अधिक लंबी दूरी पर जमीन या समुद्री लक्ष्यों के खिलाफ एसयू-30एमकेआई विमान से सटीक हमले करने के लिए महत्वपूर्ण क्षमता हासिल कर ली है।

युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल की विस्तारित रेंज क्षमता एसयू-30एमकेआई विमान के उच्च प्रदर्शन के साथ भारतीय वायु सेना को रणनीतिक पहुंच प्रदान करती है और ये भविष्य के युद्ध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अखिलेश यादव नहीं होंगे भारत जोड़ो यात्रा में शामिल

लखनऊ ,29 दिसंबर2022(ए)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को बताया कि वह क्यों भारत जोड़ो यात्रा में शामिल नहीं होंगे।

अब इसको लेकर अखिलेश यादव ने मीडिया को बताया कि आखिर वह भारत जोड़ो यात्रा में राहुल के साथ क्यों नहीं दिखे। अखिलेश ने कहा कि उन्हें कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का निमंत्रण नहीं मिला है और उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस दोनों एक ही हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में कांग्रेस द्वारा आमंत्रित किये जाने के सवाल पर बृहस्पतिवार को अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी भावनाएं उनकी यात्रा के साथ हैं, मुझे यात्रा के लिए कोई निमंत्रण नहीं मिला है।

असम में 3.5 तीव्रता का भूकंप

गुवाहाटी ,29 दिसंबर 2022(ए)। असम के उत्तर-मध्य भाग में बृहस्पतिवार दोपहर बाद 3.5 तीव्रता का भूकंप आया. एक अधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है. बुलेटिन में कहा गया है कि जान-माल के नुकसान के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है.राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा कि भूकंप दोपहर बाद 12 बजकर 27 मिनट पर आया. ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर दरांग जिले में इसका केंद्र था. बुलेटिन में कहा गया है कि भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई में था.

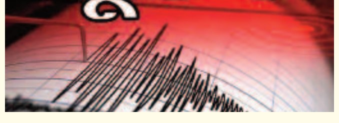

उदलगुड़ी, तमुलपुर, कामरूप और सोनितपुर जिलों के अलावा ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर स्थित मोरीगांव और नागांव के निवासियों ने झटके महसूस किए. पूर्वोत्तर राज्य उच्च भूकंपीय क्षेत्र में आते हैं, और यहां अकसर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।.

छह विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति की अधिसूचना में आ सकती है कानूनी अड़चन

कोलकाता ,29 दिसंबर 2022(ए)। छह राज्य विश्वविद्यालयों के लिए स्थायी कुलपतियों की नियुक्ति के लिए पश्चिम बंगाल शिक्षा विभाग द्वारा जारी अधिसूचना को कानूनी बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि कुछ नियुक्ति मानदंड ऐसी नियुक्तियों के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के स्पष्ट रूप से विपरीत हैं. संबंधित राज्य विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रारों द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, स्थायी कुलपति के पद के लिए सिफारिश किए जाने वाले उम्मीदवारों को किसी भी विश्वविद्यालय के साथ दस साल का शिक्षण अनुभव होना आवश्यक है, जिसमें से ÷पांच साल का अनुभव÷ प्रोफेसरों की रैंक÷।

जिन उम्मीदवारों के पास किसी भी शिक्षा या अनुसंधान संस्थान के साथ फिर से दस साल के शिक्षण अनुभव, जिसमें से प्रोफेसर के रूप में पांच साल÷ का अनुभव है, वे भी विचार के पात्र होंगे। हालांकि, कानूनी विशेषज्ञ बताते हैं कि पांच साल के अनुभव का यह दूसरा खंड प्रोफेसर के पद पर, यूजीसी के दिशानिर्देशों का खंडन करता है, जो स्पष्ट रूप से कहता है कि ÷प्रोफेसर के पद पर किसी भी विश्वविद्यालय के साथ दस साल का अनुभव रखने वाले किसी भी व्यक्ति को कुलपति के पद के लिए माना जा सकता है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के वकील, ज्योति प्रकाश खान के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी देखा था कि इस मामले में यूजीसी के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷याद रखें कि शिक्षा विषयों की समवर्ती सूची में है। इसलिए, यदि इस क्षेत्र में कोई भी राज्य अधिनियम केंद्रीय अधिनियम के विपरीत है, तो केंद्रीय अधिनियम का प्रावधान प्रबल होगा।÷

राज्य शिक्षा विभाग के सूत्रों ने कहा कि 2010 तक, विभाग यूजीसी के दिशानिर्देशों का पालन करता था, जो प्रोफेसर के पद पर किसी भी विश्वविद्यालय के साथ दस साल के अनुभव÷ को तय करता है, क्योंकि कुलपति के पद के लिए सिफारिश पर विचार करने के लिए मानदंड निर्धारित किया जाता है। किसी भी राज्य विश्वविद्यालय में।

हालांकि, 2012 में, यानी 34 साल के वाम मोर्चे के शासन को खत्म कर पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के शासन के सत्ता में आने के एक साल बाद, उसी मानदंड को घटाकर पांच साल कर दिया गया था। पश्चिम बंगाल के राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति का मामला पहले से ही कलकत्ता उच्च न्यायालय में चल रहा है। मामले में अगली सुनवाई 12 जनवरी को निर्धारित की गई है।

वर्ष 2023:सार्थकता की तलाश

संपादकीय

सरकार तुरंत दे ध्यान

क्रिप्टो का कारोबार एक पॉन्जी स्कीम से ज्यादा कुछ नहीं है। आरबीआई को इस बात का श्रेय देना होगा कि वह वर्षों से क्रिप्टो करेंसी को लेकर संदेह प्रकट करता रहा है। अब उसने उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक खतरा बताते हुए उस पर प्रतिबंध की मांग की है। भारतीय रिजर्व बैंक ने क्रिप्टो करेंसी के खतरे से सही समय पर आगाह किया है। उसने कहा है कि क्रिप्टो की वजह से अगला वित्तीय संकट आ सकता है। बैंक ने क्रिप्टो पर प्रतिबंध लगाये जाने की मांग की है। अब चूंकि ये मांग आरबीआई की तरफ से आई है, तो सरकार को इस पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। अब तक के अनुभव से यह साफ हो गया है कि क्रिप्टो का कारोबार एक पॉन्जी स्कीम से ज्यादा कुछ नहीं है। इसमें लाखों लोग अपना धन गंवा चुके हैं। आरबीआई को इस बात का श्रेय देना होगा कि वह वर्षों से क्रिप्टो करेंसी को लेकर संदेह प्रकट करता रहा है। अब हालिया घटनाओं के आधार पर उसने उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक खतरा बताते हुए उस पर प्रतिबंध की मांग की है।
रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि हाल ही में एफटीएक्स जिस तरह से बर्बाद हुआ, वह क्रिप्टो में निहित जोखिम का सबूत है। दास ने एक कार्यक्रम में कहा- दूसरे अन्य उत्पादों से अलग क्रिप्टो को लेकर हमारी मुख्य चिंता यह है कि बुनियादी रूप से इसकी कोई कीमत नहीं है। हमारा मानना है कि इसे प्रतिबंधित कर देना चाहिए क्योंकि। अगर आप इसके विनियमन की कोशिश करेंगे और इसे बढ़ने देंगे तो, मेरे शब्दों पर ध्यान दीजिये- अगला वित्तीय संकट निजी क्रिप्टो करेंसी की वजह से आएगा। अब इससे ज्यादा साफ चेतावनी और क्या हो सकती है? भारतीय बाजार में क्रिप्टोकरेंसी का प्रवेश करीब एक दशक पहले हुआ था। तब से भारतीय नियामकों की इस पर नजर रही है। 2018 में धोखाधड़ी के कई मामलों के बाद रिजर्व बैंक ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया था। दो साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने यह प्रतिबंध हटवाया और उसके बाद बाजार में उछाल आया। 2022 में इस कारोबार में होने वाले लाभ पर सरकार ने 30 प्रतिशत टैक्स लगा दिया। यानी एक तरह से इस कारोबार को कानूनी मान्यता दे दी गई। एफटीएक्स घोटाले के बाद यह व्यापार घट कर अपने पहले के आकार के दसवें हिस्से के बराबर रह गया है।

वर्ष का समय आशा और उम्मीद का समय होता है। चाहे समस्याएं कितनी भी रहें, हम यही सोचना चाहेंगे कि नया वर्ष समस्याओं के समाधान को लेकर आए, भविष्य के लिए अच्छा संदेश लेकर आए।
यह हम अपने लिए भी सोचते हैं, अपने परिवार व प्रियजनों के लिए भी तथा सारी दुनिया के लिए भी। वर्ष का आरंभ ऐसा समय भी है जब हम तन-मन से कई तरह की अच्छी शुरुआत के लिए, कई शुभ संकल्पों के लिए अधिक तत्पर व तैयार होते हैं। मेहनत और निष्ठा के बल पर क्या हम वह लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं जो बहुत महत्त्वपूर्ण तो है पर पीछे छूटता जा रहा है?
क्या हम ऐसी किसी बुरी आदत या व्यसन से इस नये वर्ष में छुटकारा प्राप्त कर लेंगे, जिससे पीछा छुड़ाना बहुत समय से चाह रहे हैं?
इस तरह की सोच नये वर्ष में अधिक उमड़ती है और हम नये संकल्पों के लिए तैयार होते हैं। चाहे ऐसे सभी संकल्प हम पूरे न कर पाते हों, तो भी नये वर्ष का समय इस तरह के निर्णयों के लिए अधिक अनुकूल होता है और कई बार तो इन संकल्पों से बहुत बड़ी उपलब्धि वास्तव में प्राप्त हो जाती है। इस आशावादी नजरिए से देखें तो तमाम कठिनाइयों व अवरोधों के बावजूद, हम में से अधिकतर के पास अपने जीवन को बेहतर करने की, व उससे भी बड़ी बात यह है कि अपने जीवन के सुधार को दुनिया के, समाज के सुधार से जोड़ने की बहुत सी संभावनाएं मौजूद हैं।
आज सामाजिक स्तर पर इस तरह की सोच की बहुत जरूरत है कि घोर व्यक्तिवाद के इस युग में भी अधिक लोग अपनी प्रगति व बेहतरी का सामंजस्य पूरी दुनिया की प्रगति व बेहतरी से बनाने का प्रयास करें व इस दृष्टि से ही सोचने-समझने की प्रवृत्ति विकसित करें। आधुनिकता की मिथ्या समझ व प्रचार-प्रसार के असर में अनेक व्यक्ति शराब व अन्य नशे के आदि हो जाते हैं। इस नशे को छोड़ना एक ओर उनके स्वास्थ्य की रक्षा व उनके तथा उनके परिवार की भलाई के लिए जरूरी है, पर दूसरी ओर इससे समाज की भलाई और पर्यावरण की रक्षा भी जुड़ी है। शराब सामाजिक स्तर पर हिंसा, अपराध और दुर्घटनाओं का एक बहुत बड़ा कारण है और साथ में इसके उत्पादन की प्रक्रिया में बहुत पर्यावरण विनाश भी होता है।
इस तरह जो लोग नशा छोड़ते हैं वे अपनी और अपने परिवार की भलाई के साथ समाज की भलाई व पर्यावरण की रक्षा में भी अपना छोटा सा ही सही पर एक योगदान अवश्य कर रहे हैं। अनेक छोटे प्रयासों से ही बड़ा योगदान होता है। अतः लाखों लोग नशा छोड़ेंगे तो अपने आप यह सामाजिक व पर्यावरणीय योगदान भी बहुत बड़ा हो जाएगा। बड़ी संख्या में लोगों के दैनिक जीवन में हिंसा दुख-दर्द का एक बड़ा कारण है। बहुत आश्चर्य की बात है कि

दैनिक जीवन की बहुत सी हिंसा अपने ही परिवार के सदस्यों के प्रति होती है। विश्व स्तर के घरेलू हिंसा के आंकड़े तो यही बताते हैं कि विश्व की सबसे व्यापक स्तर पर होने वाली हिंसा दैनिक जीवन की हिंसा है, जिसकी मार सबसे अधिक महिलाओं को फिर बच्चों को झेलनी पड़ती है। यदि केवल शारीरिक हिंसा को न देखकर भावनात्मक हिंसा को भी देखें तो यह और भी व्यापक है। इसके अतिरिक्त दैनिक जीवन की हिंसा में आस-पड़ोस की हिंसा व बदले की भावना से जुड़ी हिंसा भी शामिल है। यदि हिंसा व हिंसक सोच के दायरे से बाहर निकलने का सोच-समझ, सतत् प्रयास किया जाए तो न केवल अपना व अपने परिवार का भला होगा अपितु सामाजिक स्तर पर भी हिंसा में कमी आएगी व हिंसा की निरर्थकता से मुक्त होने पर प्रगति की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। इंसानियत की एक बहुत बुनियादी सोच है कि सभी लोगों की समानता और एकता में विश्वास रखना व धर्म, नस्ल, लिंग, रंग, क्षेत्र, जाति, वर्ग आदि के आधार पर भेदभाव न करना। जो लोग इस भेदभाव के निशाने पर हैं, उन्हें तो अपमान व अन्याय सहना ही पड़ता है पर जो यह भेदभाव करते हैं वे स्वयं भी अपनी भेदभाव भरी सोच की संकीर्णता में इसकी गिरफ्त में रहते हैं और इस कारण उदार व खुली सोच का जीवन नहीं जी पाते हैं, तरह-तरह की संकीर्णता व इससे जुड़ी हिंसक सोच से त्रस्त रहते हैं।
यदि इसके स्थान पर वे यह सोच-समझ व सतत् प्रयास करें कि हमें बिना किसी भेदभाव के सभी मनुष्यों को समानता व एकता की सोच पर आधारित ही जीवन जीना है और सोच अपनानी है तो इससे उनका अपना जीवन निश्चित तौर पर बेहतर होगा व साथ में वे एक समानता व एकता पर आधारित समाज, देश व दुनिया को बनाने में भी अपना योगदान देंगे। 'वसुधैव कुटुम्बकम' यानी पूरी दुनिया ही अपना परिवार है-यह बहुत सार्थक सोच है और जी-20 की अपनी अध्यक्षता के वर्ष में भारत ने इसे जी-20 के लिए यह कहते हुए अपनाया है कि यह तो हमारी प्राचीन संस्कृति का संदेश है।
हमारे सामने आज भी शहीद भगत सिंह का यह सवाल खड़ा है कि वास्तव में अन्याय, विषमता और भेदभाव दूर करने के कितने प्रयास हुए हैं व हो रहे हैं, उन्हें कितना महत्त्व मिल रहा है-स्थानीय स्तर पर, देश व दुनिया में। अतः यदि हम अपनी भलाई को समाज व दुनिया की भलाई के साथ जोड़ कर आगे बढ़ना चाहते हैं तो हमें यह भी ध्यान में रखना पड़ेगा कि इस प्रयास को पूरी ईमानदारी से ही किया जाए। केवल अपने कैरियर या बिजनेस की सोच संकीर्ण सोच है, पर यदि अपने जीवन-यापन की जिम्मेदारी का सामंजस्य वि, समाज व देश की भलाई से जोड़ा जाए तो यह सही अर्थों में सार्थक रहेगी। इस तरह के लाखों प्रयास एक साथ होंगे तो इससे पूरा समाज बेहतर बनेगा व ऐसे प्रयास अधिकांश देशों में होंगे तो बेहतर दुनिया बनेगी। इस तरह छोटे प्रयासों का भी बड़ा असर हो सकता है; वर्ष 2023 में हम इस सोच को लेकर ही आगे बढ़ें तो इससे जीवन में नई आशा व नया उत्साह भी मिलने की पूरी संभावना है। हम तमाम कठिनाइयों के बावजूद बेहतर जीवन के लिए प्रयासरत हैं और अपने जीवन की बेहतरी के साथ दुनिया की बेहतरी में भी निरंतर योगदान दे रहे हैं-यह सोच निश्चय ही जीवन को एक मजबूत व सार्थक आधार देती है। तमाम अवरोधों के बीच, कठिनाइयों के बीच अपनी मेहनत, निष्ठा और दृढ़ निश्चय के आधार पर हम इस सार्थकता की राह को सफलता से अपना सकते हैं।

-भारत डोगरा-

साल मुझे फिर याद आ गया

सोमेश देवांगन
पंडरिया
कबीरधाम
छत्तीसगढ़

यादों में बीत गया पूरा साल तो
रुप बदल क्यूँ सामने आ गया
कल को काल में समाहित कर
उद्भव का नया आज आ गया
सूरज क्यूँ अपनी चांद छिपाकर
लालिमा ले देखो साथ आ गया
आने को तब सब आने लगे है
वो साल मुझे फिर याद आ गया ....
नव वर्ष में हर्ष से तुमनें हमको
चुपके से कह के दिए बधाई
बधाई हम उसको समझते रहे
पर असल मे थी वो नेह विदाई
विदाई भी हमको तो ऐसा मिला
के दिल मेल का काल आ गया
काल के गाल में जब साल गया
वो साल मुझे फिर याद आ गया....
कुछ दिनो तक कुछ न बातें हुई
काम-काम व्यस्त बहाना बनाये
बहाना अक्सर रह रह के बनाते
व्यस्त हूं कह मस्त समय गिनाये
समय समय कहते देखो कैसे
असमय बिछड़ने का आ गया
आज तेरे नाम से ख्याल आ गया
वो साल मुझे फिर याद आ गया.

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

बचपन सुहाना

सोनल सिंह
सोनू
कोलिहापुरी,
दुर्ग छत्तीसगढ़

बीता हुआ वो गुजरा जमाना,
दिल चाहे वहाँ लौटकर जाना।
होता था जहाँ नित नया फसाना,
याद आता है वो बचपन सुहाना।
बगीचे से अमरूद चुराना,
कागज की कश्ती तैराना।
दोस्ती के लिए हद से गुजर जाना,
याद आता है वो बचपन सुहाना।
बेफिक्री का वो अफसाना,
गूंजता हुआ खूबसूरत तराना।
नासमझी में कुछ भी कर जाना,
याद आता है वो बचपन सुहाना।
माँ का लाड लडाना,
पापा की डाँट से बचाना।
दोस्तों संग मौज मनाना,
याद आता है बचपन सुहाना।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सावधान हर वर्ग के लोग हो सकते हो हनी ट्रैप का शिकार

आनलाईन गेम् के दौरान बीच-बीच में चैटिंग कि भी सुविधा दी जाती है , जिसमें आप सभी अपने परिचितों से खेल से संबंधित चैट भी कर सकते हैं , परंतु ये क्या आनलाइन चैटिंग के अंतर्गत ये क्या हो रहा है ? सावधान ! सच सावधान जरा ध्यान दें आपके परिवार के सदस्यों पर जो आनलाईन गेम खेल रहे हैं । सिर्फ परिवार को ही नहीं अपितु हमारी सरकार को भी सतर्क रहने कि जरूरत है , आइए जानते हैं क्यों ? अपने ही रिश्तेदारों को जब आनलाईन गेम लुड्डो के प्रति जो बड़ती दिवानगी को देखा तो सोचा अरे एसा क्या है लुड्डो गेम में जो इतने अधिक लोग दीवाने हो रहे हैं , ना खाने का होंशे और ना ही मन एकाग्र बस मौका देख लग जाते लुड्डो गेम छुपा छुपा के मोबाइल में खेलने । यही अनुभव करने के लिए मैंने भी अपने मोबाइल में जब लुड्डो गेम डाउनलोड कर खेलना शुरू किया तो पाया की इसमें पूरी दुनिया मे से कोई भी आनलाईन आकर जुड़ कर गेम खेले सकता है । साथ ही दो लोग भी एक साथ खेल सकते और चार लोग भी । जिसमें खेल के दौरान बीच-बीच में आप इमों देकर चिड़ा भी सकते हैं एक दूजे कि गोटियां काटो और इसी तरह कब समय कट जाता पता ही ना चलता मुझे तो चार लोगो संग खेलने में काफी आनंद आया आनंद तभी है जब चार लोग एक साथ मिलकर खेलें जो कि पूरे विश्व में से कहीं से भी जुड़े हों सब एक दूसरे से पूरी तरह से अंजान , यदि एक ही देश के हुए , तो भी अलग-अलग राज्यों से जुड़े अंजान । फिर एक बार दो लोगों वाला खेल खेलने का मन किया तो दो लोग जुड़कर हम खेलने लगे । चार लोगों के गेम में जुड़ इतना तो पता चल गया था की सामने खेलने वाला कोई स्त्री है या पुरुष है । वो भी सिर्फ नाम और लुड्डो अकाउंट कि डीपी का फोटो या स्टीकर फोटो देखकर । अभी खेलना चालु ही किया ही था कि चैटिंग बाक्स में हाए का संदेश आया , जवाब ना देने पर चाय का स्टीकर आदि आया । पहले नाम , फिर शहर और फिर क्या करती हो आदि सवालों कि झड़ी लगा दी गयी आखिर मैंने भी जवाब दिया सही-सही उसके बाद जो सवाल सुन मेरे चारों खाने चित्त हुए वो सवाल वाकई सावधान रहने के लिए ही जैसे मुझे सीख दे रहे थे यदि लड़की बता देती सब तो धीरे-धीरे उसके आंतरिक कपड़ो के नम्बर वगैरह पूछते , कुछ कहती भी

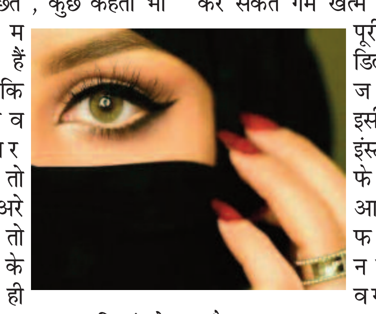

हम शादीशुदा हैं जैसे कि अनुभव अनुसार बोली , तो बोलते अरे वाह हमें तो भाभीयों के साथ ही मजा आता कुछ लड़कियां तो गैम ही छोड़ देती या जो इच्छुक होते वो लगे रहते रात भर अय्याशी में । कुछ शादी शुदा जोड़े जो कि अपनी पत्नी या पति को धोखा देकर अपनी गेम अकाउंट की आई डी गर्लफ्रेंड या बॉयफ्रेंड को भेजते और किसी को शक भी ना हो गेम खेलने का बस बहाना करते । सिर्फ दो दिन के गेम में जाना कि पंद्रह साल के बच्चों से लेकर बड़े भी इस आनलाईन अय्याशी में विलुप्त होते जा रहे जिसके चलते कामुक प्रवत्ती अधिक उजागर होने पर बलात्कार कि संख्या में भी इज़ाफ़ा हो सकता है । साथ ही इस चैटिंग के दौरान ये भी सुविधा है कि जब तक गेम चालू है तब तक आप चैटिंग कर सकते गेम खत्म खुद ही पूरी चैट डिलीट हो जाएगी इसी बीच इंस्टाग्राम , फेसबुक आईडी , फोन नम्बर वगैरह-वगैरह का आदान प्रदान कर अश्लीलता की राह पर बड़ रहे आज के नौनिहाल , जवान शादीशुदा युवक यहां तक कि वरिष्ठ भी । एसे में सतर्क रहने की जरूरत है हम सभी को । गेम के खत्म होते ही चैट भी पूरी कि पूरी डिलीट हो जाने के कारण कोई भी सबूत किसी के भी खिलाफ नहीं रह जाता है , यदि फिर से किसी परिचित नवयुवाओं या लेला मजनू को अय्याशी करनी है अपने परिवार को धोखा देते हुए तो वापस लुडो कि आईडी से जुड़ कर अय्याशी कर लेते ताकि सांप भी मर जाए ओर लाठी भी ना टूटे । चलो ये तो हो गई कुछ नवयुवाओं के गलत चैट कि बात । जब इस प्लेटफार्म पर युवावर्ग एसी चैट कर रहे ओर सबूत भी शेष नहीं रह रहा तो जरा सोचिए भारत देश के अलावा कितने ही देश के लोग जुड़के खेल रहे हैं ओर यदि इसी दौरान कोई अवैधानिक तत्व , आतंकवाद या गैर कानूनी काम करने वाले जैसे कि तसकर , चोर आदि के लिए तो ये प्लेटफार्म एक मनपसंद जगह होगी जहां अपनी गुप्त बातों को एक दूजे से साझा भी कर लो ना कोई सबूत रहेगा और ना ही कुछ ओर । ओर तो ओर इससे अपने ही देश के खिलाफ बड़े षड़यंत्र भी रचे जा सकते हैं । तो हो जाईये सतर्क अपने परिवार , देश के प्रति अपनी वफादारी निभाने के लिए । अपने परिवार , देश को अंधेरे में रख कर कब तक कोई गौरख काम कर सकता है , परिवार को फरेब दे सकते पर उस ऊपर वाले को नहीं आपके कर्मों का खाता आपका परिवार नहीं बल्कि , आपके परिवार के सदस्यों को दिये जा रहे दर्द , फरेब को देते हुए आपके बुरे कर्मों पर उस ऊपर वाले कि नजर है जिसकी लाठी जिस दिन चली उस दिन खुद को धूमिल में मिला लिपटा पाएंगे आप । तो एसा कोई कार्य ना करें जो दलदल कि ओर आपको ले जा रहा हो । बस सावधान रहने में ही खुद कि भलाई है । हां एक विशेष बात , आप सामने वाले खिलाड़ी को यदि व्यक्तिगत जानते हैं तो कोई दिक्कत नहीं परंतु परिचित भी एसा या एसी नहीं हो जो आपके परिवार के रिश्तों में दरार डाले , परंतु यदि सामने वाला कोई अपरिचित है तो आप बन सकते हैं कभी भी हनी ट्रैप का शिकार जिससे लोग आपको ब्लैकमेल कर सकते ओर आप कि जिंदगी दर्द और शर्मिंदगी से भर जाएगी । आज अपने परिवार , देश से वफा निभाओ , खुशियां ही खुशियां पाओ । ना संभले समय रहते तो , लाठी के चोट पाकर दर्द की गूंज पूरी दुनिया में पाओ । सावधान हो जाओ ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

वीना
आडवाणी
तन्वी
नागपुर,महाराष्ट्र

तन्हाइयों में आजकल कुछ ख्वाब जलाता हूं!

» दिल की भट्ठी पर मैं जज़्बात जलाता हूं!
» तुमने किया था वादा हर शाम साथ गुजरेगी!
» तेरे गम ऐ हिज्र में आंखों का आब जलाता हूं!!

ज़िन्दगी का एक साल तमाम तजुर्बों के साथ बस चन्द दिनों में गुजर जायेगा !रह जायेगी गुजरे पलों की यादें जो कभी रुलाएगी कभी हंसाएगी !कल कल करती नदी की अविरल धारा के तरह जीवन का पल पल धीरे धीरे सरकते हुऐ चमकते सूरज की भांति अस्ताचल के तरफ बढ़ चला है।समय का सागर हिलोरे मार रहा है! मझधार में फंसी ज़िन्दगी की सफ़ीना साहील की संगति पाने के लिए तमाम विसंगति को दर किनार कर मचल मचल कर लंगर डालने के फिराक में है! मगर हर डगर पर स्वार्थ के बादल झंझावात करते मुसलाधार वरस रहे हैं !हर तरफ तूफान है! गजब का उपर वाला ले रहा इम्तिहान है?कायनाती इन्तजामात में गमे हयात का कोई पूर्सा हाल नहीं है !हर कदम पर हर सांस सवाल है।बचपन की सुहानी यादें,जवानी की रंगीन रातें और बुढ़ापे में गमगीनियत लिए टूटती हसरतें, जख्मी जज्बातों के साथ तन्हाई में अश्रु धारा के आगोश में सिसकती रातों का मंजर खंजर सरीखे चुभता है? बदलता समाजआज तरक्की की बग्गी पर सवार तमाम सवालों को पीछे छोड़ते हुए आधुनिकता की रेस में बेखौफ फर्राटे भर रहा है।घर परिवार का साथ तभी तक है जब तक आसान राह उपलब्ध नहीं है !ज्योही जीवन के सफर में हमसफ़र की आमद में खुशामद शुरु हुई सब कुछ बदल जाता है !न कोई चाह,नअपनों की परवाह !एकाकी जीवन मुस्कराता गृहस्थी का उपवन,अपनी रास लीला अपना वृन्दा वन !गजब का परिवर्तन! इस मतलबी जहां में स्वार्थ से भरपूर सबका समर्थन? !दीर्घ जीवी आस के साथ बिस्वास के धरातल पर उपवास रहकर जिसने ख्वाबों की दुनियां बसाया पलक झपकते ही सब कुछ धाराशाई हो गया? जरा सोचिए उस बाग के मालिक की हालत क्या होगी- जिसके मेहनत जनून खून पसीने से सींच कर तैयार की गई बाग में फल आते ही तूफान आ गया !हर सांस में जिनकी सलामती की दुआ मांगी वहीं तमाशा बनाकर तमाशाई बन गया !------------
बदलते परिवेश में बिशेष आस्था के साथ जिस तरह के रास्ते पर आज की युवा पीढ़ी चल निकली उसका खामियाजा भी भुगतने लगी है !लेकिन सच के आईने में उसको अपनी धुंधली भविष्य की तस्वीर नहीं दिखाई दे रही है?।कमाई की ललचाई लो लिप्सा में संलिप्त आज की जनरेशन अपनों से विरक्त होकर उनको अभिषप्त जीवन जीने को मजबूर कर दी है जिनके शानिध्य में पल बढकर आसमानी उड़ान पर खुशहाली का पंख फड़फड़ा रही है !शायद उनको पता नहीं कि जिस बीज की नर्सरी डाल रहें है उसकी पैदावार भी जब तैयार होगी वह इससे भी अधिक जहरीली होगी! उस वक्त केवल गुजरा वक्त परित्यक्त लोगों की यादों में अश्कों की वर्षात करेगा !मगर कोई साथ नहीं होगा !वहीं तन्हाई हंसी उडायेगी जिस तन्हाई को बेदर्दी से खुद के जन्मदाता के हिस्से में जबरीया डाल गए थे?आज जीवन का अनमोल समय जो गुज़र रहा है फिर कभी नहीं आयेगा !हर कोई प्रारब्ध से उपलब्ध जिन्दगी को अपने तरीके से जी रहा है !लेकिन फर्ज के दर्द में हमदर्द कोई नहीं है?-लोग साल के बदलने पर जश्न मनाने की तैयारी में है !वहीं नव वर्ष में उत्कर्ष की अभिलाषा तो कहीं नहीं दिखती लेकिन दहशत करोना की महामारी से है जो नववर्ष के साथ ही इस वर्ष फिर आ रही है? नए साल की सुखद अनुभूति हो न हो करोना से दुर्गति अवश्यंभावी है।?सावधान रहें सतर्क रहें- यह ऐसा सार्वभौम शब्द है जिसकी जरूरत हर सूरत में हर मुहूरत में है।वक्त बेताज बादशाह हैं इसकी चाल कोई नहीं समझ पाया है। जब तक सांस है मालिक पर बिश्वास कर आज को जीए कल किसने देखा है--!
सबका मालिक एक साईं राम
-जगदीश सिंह -

पोषण का पावरहाउस बाजरा

बाजरा गरीबी के खिलाफ लड़ाई में अपार क्षमता रखता है और भोजन, पोषण, चारा और आजीविका सुरक्षा प्रदान करता है। वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों में, बाजरे की खेती 50त्न आदिवासी और ग्रामीण आबादी को आजीविका प्रदान करती है। भारत 41त्न बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा वैश्विक उत्पादक है। यह अनुमान लगाया गया है कि बाजरा बाजार 2025 तक 9 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक के अपने वर्तमान बाजार मूल्य से बढ़कर 12 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक होने के लिए तैयार है।
बाजरा का उपयोग छोटे दाने वाले अनाज जैसे कि ज्वार (ज्वार), बाजरा (बाजरा), छोटी बाजरा (कुटकी), फिंगर बाजरा (रागी/मंडुआ), आदि के लिए किया जाता है। बाजरा भारत में मुख्य रूप से खरीफ की फसल है। उनका उच्च पोषण मूल्य है। कृषि मंत्रालय ने भी बाजरा को ÷पोषक अनाज÷ घोषित किया है। वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। पौष्टिक भोजन मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है. पोषण संबंधी असुरक्षा दुनिया की आबादी के लिए एक बड़ा खतरा है, जो अनाज आधारित आहार पर अत्यधिक निर्भर है और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी है. बाजरा उत्पादन में वृद्धि और उत्पादक क्षेत्रों के निकट संगठित प्रसंस्करण केन्द्रों/हबों के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थापना नहीं हुई है.
बाजरा गरीबी के खिलाफ लड़ाई में अपार क्षमता रखता है और भोजन, पोषण, चारा और आजीविका सुरक्षा प्रदान करता है। वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों में, बाजरे की खेती 50त्न आदिवासी और ग्रामीण आबादी को आजीविका प्रदान करती है। भारत 41त्न बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा वैश्विक उत्पादक है। यह अनुमान लगाया गया है कि बाजरा बाजार 2025 तक 9 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक के अपने वर्तमान बाजार मूल्य से बढ़कर 12 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक होने के लिए तैयार है।
पारिस्थितिक तंत्र की बहाली और स्थिरता- भारत में भूमि क्षरण एक बड़ी समस्या रही है। रासायनिक आदानों पर कम

निर्भरता वाली सूखा-सहिष्णु फसलें (जैसे बाजरा) पारिस्थितिक तंत्र पर बहुत कम दबाव डालेंगी। जैव ईंधन और जलवायु लचीलापन- बाजरा जैव-इथेनॉल उत्पादन के लिए कच्चे माल के रूप में मक्का की तुलना में महत्वपूर्ण लागत लाभ प्रदान करता है। इनमें उच्च प्रकाश संश्लेषक क्षमता होती है। उनकी संभावित उपज उच्च कार्बन डाइऑक्साइड स्तरों से अप्रभावित है।
एसडीजी को संबोधित करना- बाजरे की खेती से महिला सशक्तिकरण हुआ है। ओडिशा मिलेट मिशन ने देखा कि 7.2 मिलियन महिलाएं %कृषि-उद्यमी% के रूप में उभरी हैं। वे कैल्शियम, प्रोटीन और आयरन जैसे मैक्रोन्यूट्रिएंट्स और सूक्ष्म पोषक तत्वों का एक समृद्ध स्रोत हैं। उनके पास कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स है जो टाइप 2 मधुमेह को रोकता है। वे हृदय रोगों, निम्न रक्तचाप को रोकने में मदद कर सकते हैं। उन्हें कम पानी की आवश्यकता होती है। यह चावल, गेहूं और गन्ने का लगभग एक तिहाई है। बाजरा की खेती को बढ़ावा देने से औसत किसान सशक्त होगा और आय बढ़ाने और फसल विविधीकरण में सुधार के उद्देश्यों को प्राप्त करेगा। कृषि व्यवसाय स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्रों को बढ़ावा देने और उपभोक्ताओं के बीच बाजरा के लाभों के बारे में लोकप्रिय जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। हमें बाजरा की खेती बढ़ानी है। बाजरे की खेती के तहत फसल क्षेत्र को बढ़ाने की जरूरत है।बाजरा पौष्टिक, जलवायु-लचीला, कठोर और शुष्क भूमि फसलें हैं, इसलिए उन्हें पोषक-अनाज के रूप में टैग किया जाता है, जो खाद्य और पोषण सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देता है. हाल ही में बाजरा ने अपनी गैर-ग्लूटेन प्रवृत्ति के कारण लोकप्रियता हासिल की है.
विश्व के कुल उत्पादन में लगभग 40त्न की हिस्सेदारी के साथ भारत बाजरा के उत्पादन में दुनिया में अग्रणी है. भारत सालाना लगभग 16 मिलियन मीट्रिक टन बाजरा का उत्पादन करता है. भारत बाजरा का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है. भारत से बाजरा निर्यात पिछले 3 वर्षों में लगातार 12त्न छ्त्नक्र से बढ़ा है. बाजरा का बाजार अपने मौजूदा बाजार मूल्य 9 बिलियन से बढ़कर 2025 तक .12 बिलियन से अधिक होने के लिए तैयार है.
यह क्षेत्र उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, विपणन और खपत से संबंधित कई चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिसने दुनिया भर में मुख्य खाद्य पदार्थों के रूप में बाजरा की वकालत करने की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न की है. मुख्य धारा में शुष्क भूमि कृषि में बाजरा को पुनर्जीवित करना और खाद्य टोकरी में विविधता लाना भोजन को बनाए रखने, उपभोक्ताओं की पोषण सुरक्षा और ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है. इसे प्राप्त करने के लिए, प्रमुख चुनौतियां बाजरा आधारित प्रौद्योगिकियों को वितरित करना है जो टिकाऊ और बाजार उन्मुख हैं.

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

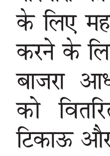

प्रियंका
सौरभ
आर्यनगर,
हिसार
(हरियाणा)

स्नेहा की जीत

बर्तन माँजती हुई स्नेहा को जब पता चला कि उसकी सास उसे न केवल घूर रही है, बल्कि तंज कसते कुछ सख्त शब्द छोड़ रही है ; स्नेहा से नहीं रहा गया। हाथ धोकर तुरंत उठी। बोली- ÷माँ जी आपको हमेशा मेरी ही गलती नजर आती है क्या ? जब देखो गैरों की तरह हर बात पर मुझे ताने मारती रहती हो। स्नेहा आग बबूला हो गयी। कह ही रही थी-
वैसे भी आपके बेटे का व्यवहार मेरे प्रति ठीक नहीं है; अब आप भी....! कहते हुए स्नेहा अपने कमरे में चली गयी।

स्नेहा अपनी किस्मत को कोसने लगी। उसकी सिर्फ इतनी ही गलती थी कि वो एक गरीब घर की बेटी थी, जो हमेशा सच्चाई का साथ देती थी। जब उसे कुछ गलत लगता तो बोल देती थी।

कुछ देर बाद सुमित घर आया । तभी स्नेहा की सास श्यामा सुमित के सामने मगरमच्छ के आँसू बहाने लगी। सुमित से रहा नहीं गया। पूछा- माँ आप रो क्यों रही हैं। क्या हुआ माँ, बताइये तो ? श्यामा ने अपनी गलती पर पर्दा डालते हुए स्नेहा को ही दोषी ठहराया। सुमित की त्यौरी चढ़ गयी। बोला- ÷स्नेहा, तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने मेरी माँ को रूला दिया। जोर-जोर से आवाज लगाई- स्नेहा... स्नेहा... तू कहाँ मर गयी। बाहर निकल। जरा इधर तो आ।

स्नेहा दौड़ते हुए कमरे से बाहर आयी। सुमित ने आव देखा न ताव। उसने स्नेहा के गाल पर एक तमाचा जड़ दिया। स्नेहा की आँखों के सामने अँधेरा छा गया। इधर श्यामा पीछे से मुस्कुरा रही थी। उसके कलेजे को थोड़ी ठंडक मिली। उसे लगा कि स्नेहा एक अबला नारी की तरह है; कुछ नहीं कर पायेगी। सब बर्दाश्त कर लेगी। लेकिन अब बहुत हो चुका था। स्नेहा भी हार मानने वालों में से नहीं थी। उसने अपने आसपास के लोगों को बुलाया। सबके सामने चीख-चीख कर बोली- ÷क्या यही है एक नारी का असली जीवन। क्या पुरुषों के शोषण में कमी आ गयी कि अब नारी ही नारी का शोषण कर रही है। कभी दहेज के लिए तो, कभी माँ-बाप पर ऊँगली उठाकर। अरे आज एक नारी दूसरी नारी का दर्द नहीं समझ पा रही है, ऐसे नारी जीवन को धिक्कार है। बहू और बेटी में भेद करते हैं। नौकरानी की तरह रखते हैं। क्या वह कभी किसी की बहू नहीं थी ? क्या उनकी अपनी बेटी नहीं होती ? आज मेरे साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है; जिसे देख कर कल कोई और किसी के साथ करेंगे।

सब के सामने स्नेहा अपनी सास से पूछने लगी- ÷माँ जी, क्या सच्चाई का साथ देना गलत बात है ? मेरे माँ-बाप को कोसने से क्या मिलता है आपको ? अगर कोई आपकी बेटी के साथ ऐसा करेंगे तो आपको अच्छा लगेगा ? आपके हाँ में हाँ बोलू तभी मैं अच्छी बहू बनूँगी ?

इकट्ठे हुए लोग भी स्नेहा का साथ देने लगे। वे सुमित और श्यामा को समझाने लगे। उन्हें अपनी गलती का एहसास होने लगा। दोनों ने बैठक में एकत्रित लोगों के समक्ष स्नेहा से माफी माँगी। स्नेहा की आत्मा को ठेस तो पहुँची थी; फिर भी उसने दोनों माँ-बेटे को माफ कर दिया।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

प्रिया देवांगन
प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

हसदेव क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं से वंचित है ग्रामीण,दिखावे का है सीएसआर

» नंगे पाव सत्याग्रह ने कहा सर्वे में पता चला यहां ना स्वास्थ्य,ना पानी,ना ही सड़क का मिल रहा लाभ

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोल ब्लॉक क्षेत्र के आसपास के ग्रामीणों को ना स्वास्थ्य,ना पानी ,ना ही सड़क का लाभ मिल रहा है। कुछ जगहों पर सीएसआर का कार्य है किया जाता रहा है वह भी सिर्फ दिखावे का रह गया है। अक्सर सीएसआर मद से किए गए कार्य को वहां के कर्मचारी बाहरी लोगों को दिखाने लाते हैं, परंतु बाद में वही ढाक के तीन पात की स्थिति वहां हमेशा रहती है।

दिखाने के लिए तो सीएसआर मद से हसदेव क्षेत्र में करोड़ों का कार्य किया जा रहा है फिर भी स्थानीय ग्रामीण इन कार्यों से वंचित है, सीएसआर के माध्यम से स्वास्थ्य एजुकेशन आदि चीजों के लिए लोकल ग्रामीणों को लाभ मिलना चाहिए ,लेकिन परसा ,घाटबर्रा इन जगहों पर ना तो ग्रामीणों को उनका काम मिल रहा है ना ही आदिवासियों को उनका मूलभूत सुविधा मिल रही है।

नंगे पांव सत्याग्रह के राजेश सिंह सिसोदिया ने कहा कि कई महिला समूह के जरिए क्षेत्र में कुछ लघु उद्योग जरूर शुरू कराए गए हैं, जिसे समय-समय पर बाहरी लोगों को बुलाकर दिखाया भी जाता है।

लेकिन जमीनी हकीकत तो कुछ और ही बयां कर रही है। यहां लोगों को कुछ ख़ास दिनों में बाहर से बुलाकर लाया जा रहा है और फोटो खींच कर खाना खिलाकर उस दिन चलता कर दिया जाता है। इसका जिम्मा भी कुछ लोगों को दिया गया है। सीएसआर मद से जितने भी कार्य और जिस तरीके के कार्य क्षेत्र में कराए जाने थे वह नाकाफी है। नंगे पांव सत्याग्रह ने कहा कि हमारे द्वारा क्षेत्र का सर्वे किया गया। हसदेव क्षेत्र के गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति बेहद चिंताजनक है। घाट बर्रा में स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सक वहीं है। नर्सों व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित इस केंद्र में चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति नगण्य है। अदानी स्कूल कक्षा दसवीं तक संचालित है। जिसे 12वीं कक्षा तक संचालित किए जाने की मांग की जा रही है। दूसरी तरफ आवागमन को लेकर भी क्षेत्र में काफी समस्या बनी हुई है। क्षेत्र की सड़कों की तरफ उदासीन रवैए के कारण एक गांव से दूसरे गांव में आवागमन बाधित होता है। साल्ही, हरिहरपुर, घाट बर्रा, परसा इत्यादि मार्गों में सड़क सुविधाएं बेहद निराशाजनक है। एक गांव से दूसरे गांव को जोड़ने सड़कों का जाल वहां बेहद जरूरी है, परंतु सीएसआर मद का सिर्फ क्षेत्र में दिखावा किए जाने से इन सारी मूलभूत सुविधाओं से ग्रामीण दूर है।

सारे दावे खोखले

यह दावा किया जाता है कि परसा ईस्ट और केते बासेन कोयला खदान परियोजना के आने से सरगुजा जिले में चहुँ ओर विकास दिखने लगा। जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामों के व्यापारियों को उनके व्यापार में वृद्धि तो दिखी ही साथ में अधोसंरचना विकास में भी त्वरित बदलाव आया। नंगे पांव सत्याग्रह ने कहा कि यह दावा भी खोखला है। उक्त क्षेत्र में बाहरी जनसंख्या का दबाव बढ़ा है। क्षेत्र में मुआवजा प्राप्त सैकड़ों ग्रामीणों को ठगने का काम दलालों के द्वारा किया गया है। जिस क्षेत्र में सड़क चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं है वहां चहुमुखी विकास कैसे होगा। व्यापार तो दूर वहां लोगों के पास काम ही नहीं है।

स्व. एमएस सिंहदेव स्कूल स्तरीय ड्यूज बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने किया उद्घाटन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शहर के गांधी स्टेडियम में स्व. एमएस सिंहदेव की स्मृति में ड्यूज बॉल टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। स्कूल स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के मुख्य आतिथ्य में गुरुवार को किया गया। सरगुजा क्रिकेट संघ के तत्वावधान में शहर के गांधी स्टेडियम में ड्यूज बॉल की 3 टी-20 प्रतियोगिता आयोजित की जानी है। पहली प्रतियोगिता स्कूल लेवल, दूसरी प्रतियोगिता कॉलेज लेवल तथा तीसरी प्रतियोगिता अखिल भारतीय स्तर पर होगी। इसमें स्कूल स्तरीय व कॉलेज स्तरीय प्रतियोगिता स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव की पिता स्व. एमएस सिंहदेव की स्मृति में कराई जा रही है। स्कूल स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने किया। स्कूल स्तरीय प्रतियोगिता पहले नॉकआउट आधार पर खेली जाएगी। फिर अंतिम चार टीमों के मध्य लीग मुकाबले खेले जाएंगे। इनमें से 2 टॉप की टीमों के मध्य फाइनल मुकाबला होगा। अंत में सिंहदेव ने अपने पूर्व परिचित अंदाज में हाथ में बल्ला थामा और शानदार चौके लगाए। इस अवसर पर राज्य औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, एमआईसी सदस्य द्वितेंद्र मिश्रा, भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, पीसीसी सचिव शैलेंद्र प्रताप सिंह, शैलेष सिंह सीतापुर, सरगुजा क्रिकेट संघ के सचिव विनीत विशाल जायसवाल सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पूरी तरह जली हुई कार में व्यक्ति की लाश मिलने से फैली सनसनी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मैनपाट-रायगढ़ बॉडर पर कापू जाने वाले रास्ते में जलती हुई एक कार व उसमें जली लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। गुरुवार की सुबह वहां से गुजर रहे लोगों ने मैनपाट व कापू पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही दोनों थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। कार व उसमें मिली लाश किसकी है, इसका पता फिलहाल नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने हत्या के बाद कार सहित शव जला दिया है। वहीं कार में आग लगने की भी आशंका जताई जा रही है।

गुरुवार की सुबह मैनपाट से कापू जाने वाले रास्ते से होकर कुछ लोग गुजर रहे थे। इसी दौरान पहाड़ी पर ही उन्हें एक पूरी तरह जली हुई कार दिखाई दी। कार से धुआं निकल रहा था। लोग कार के पास पहुंचे तो उसके भीतर जला हुआ व्यक्ति भी नजर आया, पूरी तरह से जल जाने से सिर्फ हड्डियों का ढांचा ही बचा था। जले व्यक्ति के शरीर से भी धुआं निकल रहा था। इसकी सूचना उन्होंने तत्काल मैनपाट के कमलेश्वरपुर व व रायगढ़ जिले के कापू थाने में दी। सूचना मिलते ही दोनों थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस द्वारा मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस की जांच में ये बात पता नहीं चल सकी है कि आखिर कार व कार में जली हुई लाश किसकी है। कार का नंबर भी जल चुका है। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने हत्या के बाद शव कार में रखकर जला दिया है। वहीं हादसे में भी कार के जलने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी है।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस बोले-इस बार चुनाव लडऩे का मेरा वैसा मन नहीं !

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव सप्ताहभर पूर्व सरगुजा संभाग के दौरे पर थे। इस दौरान सूरजपुर में उन्होंने कहा था कि चुनाव से पहले वे कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। उनके इस बयान ने प्रदेश का सियासी पारा बढ़ा दिया था। लोग इस बयान के कई तरह के मायने निकाल रहे थे। इसी बीच 29 दिसंबर को टीएस सिंहदेव ने चुनाव लडऩे को लेकर अपने मन की बात कह ही दी। शहर के गांधी स्टेडियम में मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार उनका चुनाव लडऩे का वैसा मन नहीं है, जैसा पहले रहता था।

गौरतलब है कि स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव 2 दिवसीय सरगुजा व अंबिकापुर दौरे पर हैं। गुरुवार की सुबह करीब 10 बजे वे शहर के गांधी स्टेडियम में आयोजित स्व. एमएस सिंहदेव स्मृति शालेय ड्यूज बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन करने पहुंचे थे। उन्होंने प्रतियोगिता का उद्घाटन करने के बाद स्टेडियम में ही वहां मौजूद मीडियाकर्मियों से चर्चा की। इस दौरान उनसे कुछ दिन पूर्व उनके द्वारा चुनाव से पहले वे अपने भविष्य को लेकर बड़ा फैसला ले सकते हैं,' के बयान के मायने तथा चुनाव लड़ेंगे या नहीं, के बारे में पूछा गया। उपरोक्त सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने कहा कि क्योंकि फैसला नहीं लिया है तो तब तक के लिए मेरे लिए और सभी के लिए भी इंतजार है। इस बार चुनाव लडऩे का सही में मन नहीं बनाया है, नहीं तो अब तक जितने भी चुनाव हुए हैं इसके पहले 2008, 2013 और 2018 में मन में भी था कि चुनाव लडऩा है तो लोगों से पूछकर लड़ूंगा। लेकिन इस बार चुनाव लडऩे का वैसा मन नहीं है, जैसा पहले रहता था।'

पिता संत गहिरा गुरु चिंतित होंगे पुत्र चिंतामणि के विचार-व्यवहार से:राम लखन पैकरा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

धर्मान्तरण रोकने की दिशा में कोई पहल नहीं करने का आरोप लगाते हुए भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष राम लखन सिंह पैकरा ने सामरी विधायक चिंतामणि महाराज को खुला पत्र लिखा है। खुले पत्र में राम लखन ने कहा है कि सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ प्रदेश और हमारा सरगुजा संभाग के सामाजिक-धार्मिक, शासकीय-गैर शासकीय सभी लोगों को पता है कि परम पूज्य संत गहिरा गुरु महाराज सनातन संत समाज की स्थापना कर सभी के हृदय में बसे हुए हैं। सरगुजा के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में धर्मांतरण के कुचक्र को रोकने के दृष्टि से संत शिरोमणि गहिरा गुरु महाराज सरगुजा के कण-कण में विद्यमान है। सरगुजा की आदि-अनादि संस्कृति में सनातन संत समाज का स्थापना करके क्षेत्र के जनजाति समाज को निरंतर सुरक्षित रखा, सनातन सरगुजिहा संस्कृति को ईसाई मिशनरियों के षड्यंत्र से बचाने की दृष्टि से, विधायक चिंतामणि के पिता ने संस्कृत विद्यालय का स्थापना की।

खुले पत्र के माध्यम से आगे उन्होंने कहा कि जनजाति समाज की सनातन धर्म संस्कृति, रीति-रिवाज, परंपराओं को बचाने व बनाए रखने के दृष्टि से सनातन संत समाज की स्थापना करके संत गहिरा गुरु स्वमेव माटीपुत्र बन गए, सभी जनजाति समाज को सनातन समाज से जोड़कर राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य गुरु महाराज ने किया किंतु दुर्भाग्य से अभी भी धर्मांतरण का चक्र उनके पुत्र के नाक के नीचे तेज गति से चल रहा है, आए दिन धर्मान्तरण का मामला सामने आ रहा है।

विधायक चिंतामणि के कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए राम लखन ने कहा कि जनजाति समाज के लोगों के द्वारा धर्मान्तरण विषय पर लगातार चिंता जताया जा रहा है किंतु संत गहिरा गुरु के उत्तराधिकारी का मौन रहना निश्चित रूप से गुरु महाराज के बनाए बताए हुए मार्ग से हट कर है, और निश्चित रूप से इस विषय को लेकर के इनके द्वारा कुछ नहीं कहना, कुछ नहीं करना और अनदेखा करना आदिवासी समाज के लिए बहुत ही दुर्भाग्य जनक विषय है।

राम लखन ने विधायक चिंतामणि से आग्रह किया है कि समाज हित में धर्मांतरण के गंदे खेल को रोकने में अपना सार्थक योगदान देवें तथा इन गतिविधियों में संलग्न लोगों का बहिष्कार करें, ताकि धर्म को, संस्कृति को तथा रीति-रिवाज व परंपरा को बचाने वाले पिता संत श्री गहिरा गुरु के उत्तराधिकारी सुपुत्र कहलाएं।

बसदेई में हुए अंधे कत्ल की गुत्थी पुलिस ने सुलझाते हुए मृतक के चचेरे भाई सहित एक को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बसदेई में हुए अंधे कत्ल की गुत्थी पुलिस ने सुलझाते हुए मृतक के चचेरे भाई सहित एक अन्य को गिरफ्तार किया है जबकि एक अन्य की तलाश की जा रही है।जमीन विवाद में युवक की हत्या किए जाने की बात सामने आई है। बसदेई चौकी प्रभारी बृजेश यादव के अनुसार 26 दिसम्बर को भरत राजवाड़े का शव उसी के उस मकान में मिला था जिसमे वह अकेले रहता था।जांच में यह तथ्य सामने आया कि उसकी पत्नी इन्दु राजवाडे लगभग 3-4 साल से अलग हो गई है जो सूरजपुर में रहती है। भारत राम राजवाडे करीब 03 साल पहले अपनी 32 डिसमिल जमीन को गांव के पारस राजवाडे से बिक्री करने हेतु 50 हजार रूपये लिया था जमीन बिक्री का लिखा पढ़ी नहीं किया था। उसी बात को लेकर के करीब 7.00 बजे प्रार्थी के घर के पास खड़े थे शराब पीये थे कि उसी समय पारस का भाई आशा राम राजवाडे, ठाकुर दत्त राजवाडे, हंसलाल खड़े थे जो शराब पीये थे उसी समय मृतक भारत राम राजवाडे अपने घर तरफ से आया। तभी आशा राम तक भारत राम को बोला कि मेरा भाई पारस से जमीन का पैसा लिये हो तो जमीन का रजिस्ट्री कर दो मृतक बोला कि ठीक है जमीन नहीं दूंगा पैसा ले लेना इसी बात पर मृतक के द्वारा आशा राम को धक्का देकर गिरा दिया। जिस बात पर दोनो में बात विवाद हुआ था इसके बाद मृतक सायकल से अपने पर तरफ चला गया था। उसी दिन से नहीं दिख रहा था। एवं उसके घर के दरवाजा का ताला भी बंद था 26. दिसंबर को सुबह प्रार्थी भारत राम के घर पास उसके मवेशी को चारा देने गया तो उसके घर से काफी बदबू आ रहा था तब प्रार्थी को भारत की मृत्यु होने शंका हुआ तब प्रार्थी चौकी बसदेई में सूचना दिया।। मृतक भारत राम राजवाडे को कोई अज्ञात आरोपी के द्वारा हत्या कर दिया गया था और उसकी शव पूरी तरह से सड़ गया था तथा किडे लग गए थे। घटना की सूचना पुलिस अधीक्षक एवं अति पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी को दिया उनके निर्देशन एवं मार्ग दर्शन में एफएसएल टीम एप द्वारा स्कायड को भी मौके पर बुलाया गया था प्रकरण के विवेचना दौरान ज्ञात हुआ की मृतक के परिवार में ही जमीन संबधी हिस्सा बटवारा की बात को लेकर विवाद है, उक्त आधर पर बारिकी से जाच करने पर पाया गया की मृतक का अपने भाई आरोपी मानसाय राजवाडे से जमीन का विवाद काफी दिनो से चल रहा था और आरोपी मानसाय के हिस्से के जमीन को मृतक 05 माह पहले जबरजस्ती उस पर कब्जा करते हुये उस पर खेती कर दिया था। हाल में साम्लित खाते की भूमि 22 डिसमिल को मृतक भारत राम 2 लाख रूपये में ग्राम झांसी निवासी महेश्वर के पास बिक्री करने का सौदा कर लिया था और एक लाख रूपये भी उससे ले लिया था और अपने चाचा पवनसाय एवं आरोपी अपने चचेरा भाई मानसाय को जमीन बिक्री हेतु सहमती देने को बोल रहा था किन्तु पवनसाय सहमती देने को तैयार था किन्तु आरोपी मानसाय के द्वारा यह बोलकर सहमती देने मना किया गया था की जमीन का बटवारा हो जाने दो तब तुम जमीन बेचना। इसी बात को लेकर मृतक 17. दिसंबर तक भारत राम राजवाडे आरोपी मानसाय के मोबाइल नंबर 8120497992 में अपने मोबाईल नंबर से कॉल किया और बाला कि अपना फोती चढ़वा लो मैं अपना जमीन महेश्वर गवदिया झांसी वाले के पास 1 लाख 50 हजार रुपये में बेचा हूं। उसमें तुमको सहमति में दस्तखत करना है नहीं करोगे तो तुम्हारा मर्डर कर दूंगा। तब आरोपी बोला कि पट्टा अलग-अलग हो जाने वो तब जमीन बेच लेना तब मृतक बोला कि यदि तुम फौती नहीं चालोगे तो पटवारी से जाकर तुम्हारा शिकायत करूंगा कि तुम आलम साय का लड़का नहीं हो तुम्हारा फौती नही चढ़ना चाहिए, तब आरोपी बोला कि जो करना है कर लेना लेकिन मैं फौती दर्ज कराने के लिए आवेदन दे दिया हूं जो भी काम होगा सिस्टम से ही होगा ।

साथ काम करने वालो के साथ दिया घटना को अंजाम

इसी बात पर से आरोपी मानसाय जो की सूरजपुर में कपडा सिलाई का दुकान किया है और उसके दुकान में काम करने वाले गुलाम कादीर अंसारी एवं शाबीर अंसारी के साथ मिलकर भारत की हत्या करने का योजना बनाकर शाम टांगी, फरसा और डण्डा लेकर पँहुचे ओर टांगी मारकर उसकी हत्या कर मृतक के घर के दरवाजा को ताला बंद कर दिये और मृतक के मोबाईल को भी लेकर चले गये। आरोपीगण से घटना में प्रयुक्त आला जरब फरसा टागी तथा मृतक के मोबाईल आरोपी के द्वारा पहने हुये कपड़ा इत्यादि को जपत किया गया है।. प्रकरण आरोपीगण मानसाय राजवाडे पिता स्व. आलम साथ राजवाडे उम्र 35 वर्ष सा बसदेई, एवं गुलाम कादिर अंसारी पिता मो फारूख अंसारी उम्र 22 वर्ष का मिश्रागली को अपराध धारा 302-201,120(बी), भादस में गिरफ्तार किया गया है जिन्हें न्यायालय पेश कर जुडिसियल रिमांड प्राप्त किया है, प्रकरण के आरोपी फरार है जिसको गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। मामले को उजागर करने में उप निरीक्षक बृजेश यादव, सउनि लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता, मानिकदास, आनन्द सिंह अमित सिंह, देवदत्त दुबे, सुरेश साहू ,अभय तिवारी, प्रेमसिह, प्रदीप सोनवानी, रामसागर साहू, निलेश जायसवाल, विश्व जीत सिंह,युवराज यादव, ओमप्रकाश सिंह, आलती राजवाडे नगर सैनिक बृजेश साहू का सक्रिय भूमिका रही।

मुझे पीने का शौक नहीं मुझे तो क्लब की सूची में नाम जुड़वाने का शौक है?

- अवैध शराब व क्लब बार मामले में क्यों मनेंद्रगढ़ विधायक सहित चिरमिरी महापौर खुद करा रहे अपनी किरकिरी?
- विधायक व महापौर सही तो क्लब की आड़ में अवैध तरीके से संचालित बार पर क्यों नहीं करवा रहे कार्यवाही?
- क्लब बार की सूची में मनेंद्रगढ़ विधायक की पत्नी चिरमिरी की महापौर का नाम बतौर सदस्य है दर्ज
- अवैध कारोबारों को लेकर मनेंद्रगढ़ विधायक क्यों हो जाते हैं संजीदा,खड़े हो जाते हैं कारोबार के पक्ष में?
- कोयला हो या शराब,मनेंद्रगढ़ विधायक का अवैध कारोबारों से नाता उन्हें कर रहा बेजार
- महापौर पत्नी का नाम अवैध मयखाने में सदस्य बतौर शासकीय दस्तावेजों में है दर्ज
- विधायक फिर भी पूर्व विधायक और विपक्ष पर हो रहें हैं आक्रामक,जबकि दोष है उनका
- कार्यवाही करने की इच्छा नहीं और विरोध दर्ज करा मामले को अलग मोड़ देने की जुगत में विधायक व महापौर
- सवाल ये नहीं है कि कौन शराब पीता है या नहीं? सवाल है कि क्या क्लब की आड़ में अवैध शराब का कारोबार हुआ या नहीं?
- महिलाओं का अपमान बताकर क्या मनेंद्रगढ़ विधायक एवम उनकी महापौर पत्नी खुद की गलतियों पर पर्दा डालने की कर रहें कोशिश?

- रवि सिंह -
चिरमिरी 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मुझे पीने शौक नहीं पीता हूँ गम भुलाने को, पुराना यह गाना मय कहने का मतलब शराब की खासियत बयान करने के लिए भले ही बेहतर था लेकिन वर्तमान में मनेंद्रगढ़ में जो राजनीतिक घटनाक्रम शराब के इर्द गिर्द पिछले कई वर्षो से घूम रहा है उसके लिए सही नहीं है कहा जा सकता है। मनेंद्रगढ़ अभी अभी नवीन जिला बना है और जिले के मुख्यालय में एक अवैध शराब के अड्डे को लेकर आजकल सत्ताधारी दल के विधायक और उनकी धर्मपत्नी सुर्खियों में हैं क्योंकि शासकीय दस्तावेजों के हिसाब से अवैध शराब के अड्डे के शासकीय अनुमति वाले सदस्य सूची में मनेंद्रगढ़ विधायक की धर्मपत्नी जो महापौर भी हैं उनका नाम सदस्य बतौर दर्ज है और यह हम नहीं यह क्लब की सूची कह रही है पर महापौर का कहना है कि उन्हें तो पता ही नहीं जब उन्हें पता ही नहीं था तो फिर सूची में नाम कैसे जुड़ा? चलो गलत तरीके से जुड़ भी गया तो उस पर क्यों नहीं करवा रही कार्यवाही? जब विपक्ष भाजपा विधायक सहित उनकी महापौर धर्मपत्नी पर हमलावर है वहीं विपक्ष के हमले से आहत हो रहे विधायक और उनकी धर्मपत्नी अब जब मामले में खुद को दोषी समझकर बचने का कोई रास्ता नहीं ढूंढ पा रहें हैं वह विपक्ष पर महिला अपमान का आरोप लगा रहें हैं, जबकि वह खुद भी जान रहें हैं मामले में वह ऐसे ही बच निकल पाने में सफल नहीं होंगे।

ज्ञात हो कि मनेंद्रगढ़ विधायक और उनकी महापौर धर्मपत्नी आजकल सुर्खियों में हैं। मामला भी सुर्खियों वाला ही है क्योंकि मामला मयखाने से जुड़ा हुआ है और वह भी अवैध रूप से मय परोसने वाले मयखाने से जुड़ा हुआ है। अविभाजित कोरिया जिले की बात हो या आज के नवीन एमसीबी जिले की बात हो मनेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर स्थित एक होटल या जिसे लगातार अघोषित मयखाने का भी यदि खिताब दिया जाए तो गलत नहीं होगा के बारे में शायद ही कोई मय प्रेमी अनभिज्ञ हो या कहें तो सभी मामले से भिज्ञ होंगे यह भी कहना गलत नहीं होगा। वर्षो से होटल में अघोषित रूप से मय परोशी जाती आ रही है और वर्तमान में होटल इसलिए सुर्खियों में है क्योंकि होटल ने मय परोसने के लिए शासन से अनुमति ली है और वह भी क्लब के रूप में अनुमति ली है जिसके अनुसार उसे उन सीमित लोगों को मय परोशने की अनुमति है जो बतौर सदस्य होटल के सदस्य हैं और उनके सहित उनके मेहमानों को शराब परोसी जा सकती है। अब पूरे मामले में जो अनुमति अनुसार पालन करने वाला विषय है होटल के लिए जिसमे सदस्य के अलावा किसी अन्य को शराब नहीं परोसी जानी है में पेंच यह फंस गया कि होटल में क्लब अनुमति की जगह बार लिखकर शराब क्यो बेची जा रही थी?

क्या विधायक और महापौर करवाएंगे कार्यवाही?

क्लब को बार बनाकर अवैध रूप से शराब परोसे जाने मामले में मनेंद्रगढ़ विधायक और उनकी महापौर धर्मपत्नी की काफी किरकिरी हो रही है, किरकिरी भी इसलिए क्योंकि क्लब सदस्यों की सूची में महापौर का नाम दर्ज है और यह शासकीय दस्तावेज में दर्ज है। अब सवाल यह उठता है कि जब खुद अवैध मयखाने में सदस्य बतौर महापौर का नाम दर्ज है और वह मनेंद्रगढ़ विधायक की धर्मपत्नी भी हैं और विपक्ष मामले में अवैध शराब कारोबार मामले में विधायक सहित महापौर पर आरोप लगा रहा है ऐसे में क्या विधायक एवं महापौर क्लब संचालक पर कार्यवाही के लिए आगे आएंगे। क्लब पर कार्यवाही और संचालक पर कार्यवाही होगी तभी यह बात सही मानी जायेगी की महापौर का नाम बिना अनुमति ही क्लब सदस्य के रूप में दर्ज कर लिया गया था और कार्यवाही नहीं होती है तो माना जायेगा कि कहीं न कहीं सहमति से नाम सदस्य बतौर दर्ज था और विपक्ष का आरोप सही है। अब देखना होगा कि मनेंद्रगढ़ विधायक व उनकी महापौर धर्मपत्नी मामले में क्लब संचालक के विरुद्ध कार्यवाही की मांग करती हैं या नहीं।

किरकिरी से बचने के लिए विपक्ष पर लगा रहे हैं निशाना?

पूरे मामले में यदि समझा जाये तो मनेंद्रगढ़ विधायक एवं उनकी महापौर धर्मपत्नी की काफी किरकिरी हो रही है। किरकिरी हो भी क्यों नहीं जिन्हें जनता ने अपनी सेवा और सुविधा के लिए चुना है जिसे जनता ने अपने लिए आदर्श चुना है यदि उसका नाम गलत कार्यों में सामने आएगा तो जनता जरूर अपने निर्णय पर संदेह करेगी और यही मनेंद्रगढ़ क्लब बार मामले में हो रहा है। मनेंद्रगढ़ विधायक की महापौर धर्मपत्नी का नाम ऐसे बार क्लब में सदस्य के तौर पर दर्ज है जो अवैध रूप से शराब परोसने का काम करता है। अब मामले में विपक्ष लगातार विधायक व महापौर को कटघरे में खड़ा कर रहा है और प्रश्न कर रहा कि क्या क्लब बार मनेंद्रगढ़ विधायक की महापौर धर्मपत्नी के नाम पर लायसेंस प्राप्त कर सका है और यदि ऐसा नहीं है तो महापौर कहें विपक्ष संचालक पर कार्यवाही के लिए एकजुट हो जाएगा ऐसे में विपक्ष के आरोपों से मनेंद्रगढ़ विधायक और उनकी महापौर धर्मपत्नी अब विपक्ष पर ही आरोप लगा रहें हैं और महिला महापौर के अपमान का आरोप लगा रहें हैं। मनेंद्रगढ़ विधायक और उनकी महापौर धर्मपत्नी का विपक्ष पर लगाया जा रहा आरोप केवल विपक्ष को चुप करने के लिए लगाया जाने वाला आरोप है और अपनी किरकिरी से बचने के लिए लगाया जाने वाला आरोप है जिससे मूल मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाया जा सके जो क्लब बार सदस्य के रूप में मनेंद्रगढ़ विधायक की महापौर धर्मपत्नी के सदस्य रूप में नाम दर्ज होने को लेकर लगाया जा रहा आरोप है और जिसके अनुसार इन्ही के संरक्षण में वह अवैध मयखाना संचालित है।

अघोषित बार को लेकर भाजपा कर रही विरोध प्रदर्शन

मनेंद्रगढ़ के अवैध क्लब बार को लेकर भाजपा ने भी विरोध प्रदर्शन का निर्णय लिया है।भाजपा मनेंद्रगढ़ द्वारा 29 दिसम्बर को अवैध बार सील करने को लेकर आंदोलन कर रही है।भाजपा ने जिला प्रशासन को इसकी सूचना दी है और मांग की है की अवैध मयखाने को यदि बंद नहीं किया गया तो वह उग्र आंदोलन करेगी। पूरे मामले में जिला प्रशासन क्या निर्णय लेता है यह देखने वाली बात होगी क्योंकि क्लब सदस्यों की सूची में कई लोगों ने आपत्ति दर्ज की है भले ही उन्होंने लिखित आपत्ति की हो या न कि हो लेकिन उनका कहना है कि उनकी सहमति बगैर उनका नाम सदस्य बतौर दर्ज है ऐसे में जिला प्रशासन क्या ऐसे लोगों से असहमति लेकर शिकायत लेकर क्लब संचालक पर कार्यवाही करती है या नहीं करती है।

संबंधित विभाग क्यों नहीं करता कार्यवाही?

पूरे मामले में आबकारी विभाग भी दोषी कहा जा सकता है,जब महापौर चिरमिरी का नाम क्लब बार सूची में बिना अनुमति दर्ज है और इसका वह बयान भी दे रहीं हैं तो क्यों आबकारी विभाग मौन है क्यों नहीं क्लब बार की मान्यता वह रद्द कर रहा है किसका दबाव है जो आबकारी विभाग मजबूर है यह भी सवाल उठ रहा है।

ग्रीन पार्क क्लब को लेकर विधायक व महापौर की हो रही फजीहत

क्लब बार मामले में सबसे ज्यादा किरकिरी मनेंद्रगढ़ विधायक एवम उनकी महापौर धर्मपत्नी की हो रही है। क्लब सदस्य के रूप में महापौर का नाम आबकारी विभाग के पास प्रस्तुत सूची में दर्ज है और उसी सूची अनुसार अनुमति मिली है क्लब को। अब मामले में विधायक और महापौर भले ही विपक्ष पर महिला अपमान का आरोप लगा रहें हैं लेकिन जनता के बीच छवि विधायक और महापौर की ही धूमिल हो रही है।

विधानसभा में टिकट कटने का भी खतरा मंडरा रहा

मनेंद्रगढ़ विधायक लगातार अवैध कारोबार के इर्द गिर्द सुर्खियों में बने चले आ रहें हैं। अवैध शराब मामला हो या फिर कोयले की चोरी का मामला मनेंद्रगढ़ विधायक का नाम हर जगह सामने आता रहा है संरक्षण देने के मामले में अब ऐसे में उनके अगले विधानसभा में टिकट कटने का भी खतरा मंडराने लगा है।

ट्रक में जब नीलामी का कबाड़ था लदा तो क्यों नहीं जा रही थी मुख्य मार्ग से?

चिरमिरी पुलिस ने किया एक ट्रक कबाड़ ट्रक जब्त,ट्रक में भरे कबाड़ के तौल में जुटी रही पुलिस

- नीलामी का कबाड़ से 13 टन अधिक था कबाड़ःसूत्र
- जब्त ट्रक में हो सकता है नीलामी का कबाड़, कबाड़ का वजन नीलामी में खरीदे गए कबाड़ से हो सकता है ज्यादा?
- ट्रक ओवरलोडिंग की वजह से घाट नहीं चढ़ पा रहा था, ट्रक में क्षमता से अधिक कबाड़ लदा होना ही ट्रक के पकड़ाने की बना वजहःसूत्र
- सुबह से पकड़े गए ट्रक का शाम तक नहीं हो सका था तौल,किसके दबाव में थी पुलिस?
- क्या कबाड़ का को वैध बताकर छुड़वाने के जुगाड़ में लगे हैं कबाड़ी?

- रवि सिंह-
चिरमिरी/मनेंद्रगढ़ 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

चिरमिरी पुलिस ने एकबार फिर एक ट्रक कबाड़ जब्त किया है और ट्रक में लदा हुआ कबाड़ नीलामी से खरीदा हुआ हो सकता है ऐसा सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है। ट्रक में लदा हुआ कबाड़ ओपन कास्ट माइंस से नीलामी में खरीदा गया हो सकता है यह सूत्रों का कहना है वहीं बताया जा रहा है कि जब्त ट्रक में क्षमता से अधिक कबाड़ लदा हुआ है और कबाड़ लदे ट्रक में जितना कबाड़ लदा हुआ पर्ची अनुसार बताया जा रहा है उससे अधिक कबाड़ ट्रक में हो सकता है ऐसा भी कहा जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार बीते दिवस चिरमिरी क्षेत्र के कोरिया कालरी फिर एक ट्रक कबाड़ जब्त किया गया है बताया जाता है कि एसईसीएल प्रबंधन के अधिकारियों की मिलीभगत से ऑक्शन के नाम पर कई ट्रक लोहा कबाड़ियों की सांठगांठ से इसी प्रकार भेजा जा चूका है सूत्रों की मानें तो जबलपुर की किसी कबाड़ी कंपनी ने कुछ ऑक्शन का माल चिरमिरी एसईसीएल प्रबंधन से खरीदा था जिसको वह पिछले कई माह पहले ले जा चुका थे जिसके बाद उनके संबंध स्थानीय अधिकारियों से बन गए थे उनसे सांठगांठ करके इसके द्वारा यहां से पुराने पर्ची और गेट पास की कलर फोटो कॉपी करा कर उसमें डेट टाइम सुधार कर ले जाया जा रहा था, प्रबंधन के कार्यरत एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि बड़ा बुरा दौर आ गया है हमारे अधिकारी काफी भ्रष्ट हो गए हैं, जितने का ऑप्शन हुआ था वाह माल तो काफी पहले जा चुका है उस दिनांक से अभी तक लगभग 20 गुना लोहा यहां से जा चुका है और लगातार अभी ले जाया जा रहा है जिसमें कबाड़ी और अधिकारियों की पार्टनरशिप है, एक अधिकारी काफी दिलेरी से अपना कार्य अंजाम दे रहा है और कहता है कि मुझे बिलासपुर लेबल में भी कुछ पैसा पहुंचाना पड़ता है और पहुंचाता हूं जिसको जहां शिकायत करना है कर दे मेरा कहीं कुछ नहीं होता और इस तरह दबंगई से दिन-रात प्रबंधन के अधिकारी लोहा कोयला चोरी करा कर एसईसीएल कंपनी को खोखला बना रहे हैं ऐसे भ्रष्ट अधिकारी की सीबीआई से जांच करा कर उन्हें तत्काल प्रभाव से दंडित किए जाने की आवश्यकता है।

कबाड़ नीलामी में खरीदा गया था तो ट्रक मुख्य मार्ग से क्यों नहीं जा रहा था?

ट्रक भी मुख्य मार्ग से न जाकर दूसरे रास्ते से जा रहा था और वह घाट में जाकर फंस गया और जिसकी वजह से पुलिस को जानकारी हुई ऐसा भी बताया जा रहा है और अब यह सवाल उठ रहा है कि जब कबाड़ नीलामी में खरीदा हुआ था तब ट्रक ऐसे रास्ते से क्यों जा रहा था जिसमे ट्रक का जाना कठिन था ट्रक मुख्य मार्ग से क्यों नहीं जा रहा था? इसको लेकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि ट्रक में लदा पूरा कबाड़ नीलामी का नहीं है और कुछ कबाड़ अवैध हो सकता है।

कबाड़ के मालिक को समय देने की जुगत में तो नहीं?

ट्रक तिरपाल से ढंका हुआ है और पुलिस ट्रक का तौल कराने की जुगत में दिनभर लगी रही और शाम तक ट्रक का तौल नहीं हो सका यह भी बात सामने आ रही है। ट्रक का तौल पुलिस द्वारा क्यों जल्द नहीं कराया जा रहा है और इसको लेकर किसका दबाव पुलिस पर पड़ रहा है यह भी एक सवाल उठ रहा है। पुलिस कयय कबाड़ का पूरा दस्तावेज सही कराने कबाड़ के मालिक को समय देने की जुगत में है या कोई दबाव है पुलिस पर यह तो पुलिस ही बता सकती है लेकिन ट्रक अभी भी पुलिस की गिरफ्त में है।

नेता प्रतिपक्ष भाजपा के दौरा के बाद पुलिस सक्रिय नजर आ रही है

बता दें कि चिरमिरी में कबाड़ और अवैध कोयले के कारोबार को लेकर जिला प्रशासन सहित पुलिस की काफी किरकिरी हो रही थी, खुद विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भाजपा विधायक ने स्वयं चिरमिरी में संचालित अवैध कोयले खदान का दौरा किया था और स्थानीय विधायक सहित प्रशासन पर मिलीभगत आरोप मामले में लगाया था। पुलिस उसके बाद सक्रिय नजर आ रही है और अब उसे कबाड़ लदे ट्रक और अवैध कोयले से लदे वाहन नजर आने लगे हैं और वह लगातार कार्यवाही कर रही है। वहीं पूरे मामले में स्थानीय जनों का कहना है कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का चिरमिरी दौरा चिरमिरी की खनिज संपदाओं के हिसाब से बेहतर दौरा रहा और अब अपनी किरकिरी समझकर पुलिस कम से कम कार्यवाही कर रही है और अवैध कारोबारियों में भय दिखने लगा है। अविभाजित कोरिया जिले की बात करें तो मनेंद्रगढ़,चिरमिरी, पटना,चरचा पुलिस थाना क्षेत्रों में जमकर अवैध कारोबार संचालित होते हैं और इन क्षेत्रों में पुलिस की पूरे मामले में उदासीनता कहें या मिलीभगत भी चर्चा का विषय बनती आई है। अब देखने वाली बात यह है कि क्या पुलिस सभी मामलों में कार्यवाही करते हुए पूरे क्षेत्र से अवैध कारोबारियों को पलायन करने पर मजबूर करेगी या यह केवल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के दौरे और उनके आरोपों को कुछ समय के लिए दरकिनार करने के लिए दिखावा मात्र है।

इस कारण कबाड़ी की योजन हुई फेल

बीते 28 दिसंबर को लगभग 53 टन लोहा लोड कर एक ट्रक जबलपुर की तरफ जाने के लिए चिरमिरी क्षेत्र से निकला था मेन रोड से जा ना जा कर यह ट्रक कोरिया और पौड़ी के मध्य पढ़ने वाले पलथा जाम से सीधे नागपुर की तरफ जाने के फिराक में जब ट्रक पलथा जाम रोड में घुसा तो घाट नहीं चढ़ सका बताया जाता है कि ट्रक चालक ने माल कम ले जाने की बात कही थी किंतु एसईसीएल का यह अधिकारी वहां खड़ा हो कर के और अधिक माल ले जाने की बात कह कर क्षमता से 13 टन अधिक लोहा लोड करा कर पार करवाना चाह रहा था जो गलती भारी पड़ गई, अपनी अधिक कमाई के चक्कर में या ट्रक में अधिक लोहा लोड कराने के कारण पलथा जाम घाट नहीं चढ़ सका जिसकी जानकारी जब स्थानीय पत्रकारों और जनप्रतिनिधियों को हुई तो उन्होंने इसकी शिकायत तत्काल राज्य सरकार व भाजपा के नेता प्रतिपक्ष से की उन्होंने तत्काल एमसीबी पुलिस अधीक्षक को फोन कर उस ट्रक पर कार्यवाही करने की हिदायत दी, तब जाकर पुलिस प्रशासन हरकत में आया।

कबाड़ीओं व एसईसीएल अधिकारियों की मिलीभगत

कबाड़ियों और एसईसीएल अधिकारियों की मिलीभगत कर ऑप्शन के आड़ में कोयला लोहा पार कराने का यह सिलसिला काफी पुराना है प्रबंधन के छोटे और बड़े अधिकारी केवल अपने अतिरिक्त कमाई के जुगत में इस प्रकार के कार्य लगातार करते आ रहे हैं यदि माल पकड़ा जाता है तो एसईसीएल प्रबंधन उस माल को अपना नहीं बताती और कहीं और का कबाड़ बताकर उसे पल्ला झाड़ लेती है, इस प्रकार कबाड़ी प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन करोड़ों रुपए के कबाड़ चिरमिरी कालरी से अवैध तरीके से परिवहन कार्य लगातार जारी है।

यदि उक्त लोहे के टुकड़ों और कल पुर्जो की पड़ताल करें तो यह स्पष्ट हो जाएगा

यदि उक्त लोहे के टुकड़ों और कल पुर्जो की पड़ताल करें तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि यह पूरा कबाड़ एसईसीएल का ही है अगर पुलिस अपनी ईमानदारी से काम करें तो सिर्फ 5 मिनट में यह कबूल करवा सकती है कि यह कबाड़ और किसका है बड़े-बड़े कलपुर्जे हैवी वाटर मोटे चादर सिर्फ और सिर्फ एसईसीएल के उत्पादन के दौरान उपयोग में आने वाली मशीनों एवं संसाधनों के होते हैं, कंपनी उत्पादन के उपरांत स्क्रैप को बेचने के निर्देश दे रखी है यह भ्रष्ट अधिकारी अपने हिसाब से अपनी सेटिंग बनाकर बड़े आसानी से इन कंपनियों पर डाका डाल रहे हैं अपने मन के कबाड़ियों को टेंडर डलवाते हैं और अपना काला धन उनके शहर में ही जाकर ले लेते हैं इन कबाड़ियों की प्रबंधन के इन अधिकारियों से काफी बढ़िया सेटिंग बनाई जाती है कबाड़ियों के द्वारा उनके ऐसो आराम के लिए आज की अत्याधुनिक सुविधाएं भी उनके मर्जी के मुताबिक उपलब्ध कराई जाती हैं जिनके कई उदाहरण क्षेत्र में देखने और सुनने को मिलते रहे हैं।

सुरक्षा के लिए सुरक्षा गार्ड नियुक्ति फिर भी चोरो कैसे?

चिरमिरी क्षेत्र का रीजनल स्टोर कोरिया कालरी में है जिसकी सुरक्षा के लिए एक सेंट्रल की सुरक्षा गार्डों की नियुक्ति की गई है बड़ा सवाल यह है कि इन सब की नियुक्ति के बाद भी बड़े पैमाने में आखिर चिरमिरी क्षेत्र से लोहा और कोयले की चोरी कैसे हो रही है अपने इन सामग्रियों की सुरक्षा के लिए कोयला कंपनी कई लाख रुपए महीना इन कंपनियों को भुगतान कर रही है इनके रहने खाने आदि की भी व्यवस्था कंपनी करती है इनके आवागमन के लिए अलग से बसें लगाई गई है।

कलपुर्जे के चोरी को लेकर महाप्रबंधक को प्रभाव से हटा गया था

एसईसीएल प्रबंधक की भ्रष्ट कार्यशैली ही इस बात का परिचायक है कि दिन रात उसके क्षेत्र से कोयला लोहा सहित अन्य कालरी के कलपुर्जे लगातार चोरी हो रहे हैं, कुछ दिन पहले एक महाप्रबंधक को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया था सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उस महाप्रबंधक का इन काले कारनामों में बड़ा हाथ बताया जाता है जिसकी जानकारी जब सह प्रबंध निर्देशक बिलासपुर को लगी तो उन्होंने तत्काल हटाकर ने प्रबंधक की नियुक्ति कर दी, उस समय ऐसा लगा था कि अब इस काले गोरख धंधे में सलिप्त अधिकारियों घृणित कृत्य पर अंकुश लगेगा किंतु ऐसा नहीं हुआ नए महाप्रबंधक के नियुक्ति के बाद भी पूरे चिरमिरी क्षेत्र में लूट मची हुई है कोयला तस्कर लोहा तस्कर और तांबा तस्कर अपनी अलग-अलग टोली बनाकर दिन रात अपने संग इन कार्यों को अंजाम दे रहे हैं और कोयला कंपनी को खोखला कर रहे हैं।

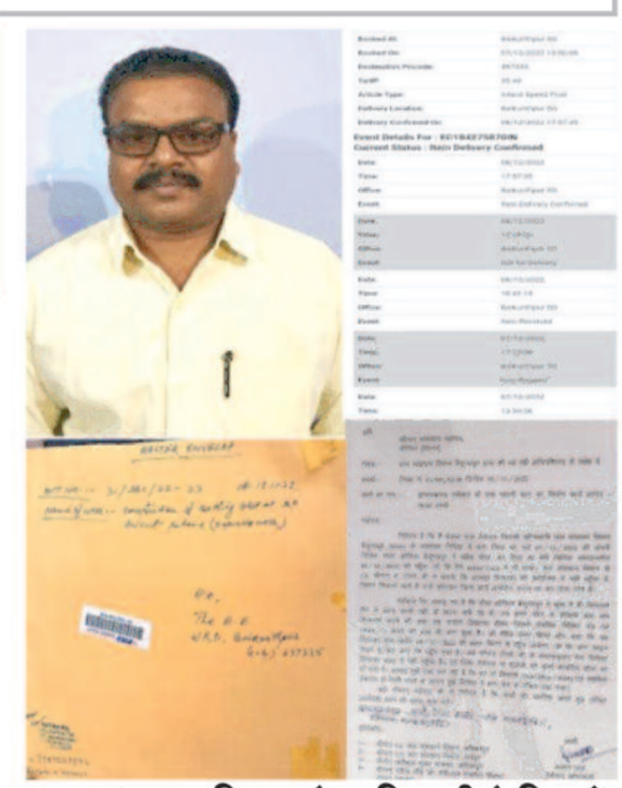

जल संसाधन विभाग के अधिकारी ने नियमों को शिथिल कर चहेते ठेकेदारों को दिया काम,एमसीबी कलेक्टर से हुई शिकायत

- संवाददाता -
मनेंद्रगढ़ 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जल संसाधन विभाग अपने भ्रष्ट क्रियाकलाप के कारण फिर चर्चा में है, चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने एवं फिर उनसे लाभ लेने की मनसा रख रहे भ्रष्ट अधिकारी नियमों को शिथिल कर अपने चहेते ठेकेदार को काम दे रहे हैं जिसकी शिकायत ठेकेदार संतन पाल ने एमसीबी कलेक्टर को की है।

अपने शिकायती पत्र में संतन पाल लिखा है कि बीते दिवस समाचार पत्रों से विज्ञापन के माध्यम से मिली जानकारी के अनुसार जल संसाधन विभाग बैकुंठपुर के द्वारा मैनुअल निविदा आमंत्रित की गई थी जिसमें झगड़ाखाड एनिकट के पास नहानी घाट निर्माण कार्य लगभग बीस लाख में किया जाना था जिसकी निविदा प्रकाशन दिनांक 15 नवंबर 22 को किया गया था निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि 9 दिसंबर को तय किया गया था, ठेकेदार संतन पालने अपना निविदा फॉर्म पोस्ट ऑफिस के माध्यम से 7 तारीख को बैकुंठपुर के लिए भेज दिया था पोस्ट मास्टर से मिली जानकारी के अनुसार 8 तारीख को बैकुंठपुर के डब्ल्यू आई डी कार्यालय में वह डाक पहुंच गया है, किंतु 9 तारीख के बाद खुलने वाले लिफाफे में उनका निविदा को नहीं स्वीकार किया जाना उनके मौलिक अधिकारों का हनन होना बताया गया है ठेकेदार ने इस संदर्भ में जब मोबाइल के माध्यम से प्रभारी कार्यपालन अभियंता को साहब से चर्चा की तो उनके द्वारा एक सिरे से खारिज करते हुए कहा कि किया कि आपके द्वारा तो कोई निविदा हम तक भेजा ही नहीं किया है और नहीं आज दिनांक तक आपकी कोई निविदा हमें प्राप्त हुई है।

सवाल सबसे बड़ा यह है कि पोस्ट ऑफिस और जल संसाधन विभाग दोनों सरकार की जिम्मेदार विभाग है दोनों की अपनी अपनी जिम्मेदारियां हैं, एक विभाग कह रहा है कि पत्र अपने तय स्थान पर पहुंच गया है वहीं दूसरा विभाग कह रहा है कि पत्र नहीं पहुंचा, दोनों विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली से क्षुब्ध होकर ठेकेदार संतान पालने कलेक्टर से शिकायत की है और दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है, संतन पालने घटती घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मेरे घर के समीप का कार्य था मैंने काफी कम दर में कार्य कर सकता था,लेकिन विभाग के अधिकारियों ने अपने करीबी ठेकेदारों को काम देख कर मुझे कार्य से वंचित रखा है, निविदा दर काफी कम थी सरकार को भी फायदा होता।

जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा विधानसभा कार्यकाल के अंतिम दौर में भी जारी

» शिवपुर चरचा नगर पालिका उपाध्यक्ष ने लगाया उपेक्षा का आरोप

» अविभाजित कोरिया में जनप्रतिनिधियों की उपेक्षाओं का दौर नहीं हो रहा कम

» कोरिया के इतिहास में पहली बार अनवरत हो रही ऐसी पुनरावृति

» बारंबार छीछालेदर के बाद भी सत्ता पक्ष और प्रशासन अचेत अवस्था में

-रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

वर्तमान सरकार के विगत 4 वर्ष के कार्यकाल में अविभाजित कोरिया जिला बहुत सारे मुद्दों पर चर्चाओं में रहा। इन्हीं में बहुचर्चित मुद्दा रहा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपमान। जब से वर्तमान सरकार सत्ता शासन में आई, कोरिया जिले में निर्वाचित जनप्रतिनिधि, चाहे वह सत्तापक्ष के हो या विपक्ष के, उनके अपमान की घटनाएं बारंबार पुनरावृत हुई है। शीर्ष पदों पर आसीन नेताओं की आंखों में जो किरकिरी की तरह महसूस होते रहे, उन्हें कभी उचित सम्मान नहीं मिला। सामान्यतः यह तो हर दौर में होता आया है की विपक्ष सत्ता पक्ष के आंख की किरकिरी की तरह महसूस होता है। परंतु विडंबना यह है कि इस शासन प्रशासन में सत्ता पक्ष के शीर्षस्थ नेताओं को भी अपमान का घूंट पीना पड़ा है। स्वयं के नाम छपवाने की, शिलालेखों में अंकित कराने की, बतौर मुख्य अतिथि संचालन की होड़ सदा से चली आई है। परंतु जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि चाहे विपक्ष के हों या सत्तापक्ष के, दोनों को ही जनता चुनकर लाती है, तो उनका सार्वजनिक तौर पर अपमान सीधे तौर पर जनता का अपमान है।

ताजा मामला शिवपुर चरचा नगर पालिका में अधोसंरचना मद, 15 वां वित्त आयोग मद, जिला खनिज न्यास मद एवं विधायक मद अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के भूमि पूजन कार्यक्रम से संबंधित है। जहां नगरपालिका उपाध्यक्ष राजेश सिंह ने कार्यक्रम में आमंत्रित लोगों की सूची में बतौर अतिथि नाम ना होने पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि वे पुर्व? में नगर पालिका अध्यक्ष रह चुके हैं, और वर्तमान में उपाध्यक्ष पद पर आसीन हैं। प्रोटोकॉल अनुसार आमंत्रण पत्र में उनका नाम अतिथियों की सूची में होना चाहिए था। परंतु गरिमा के विरुद्ध बतौर अतिथि आमंत्रण पत्र में नाम ना होने पर उन्होंने नीचे पार्षदों की सूची में नाम होने पर आपत्ति जताई है उनकी नाराजगी प्रशासन में बैठे अधिकारियों, कार्यक्रम में आमंत्रित वरिष्ठ जनों से तथा क्षेत्र की विधायिका श्रीमती अंबिका सिंहदेव से भी है। जिन्होंने इस ओर संज्ञान नहीं लिया।

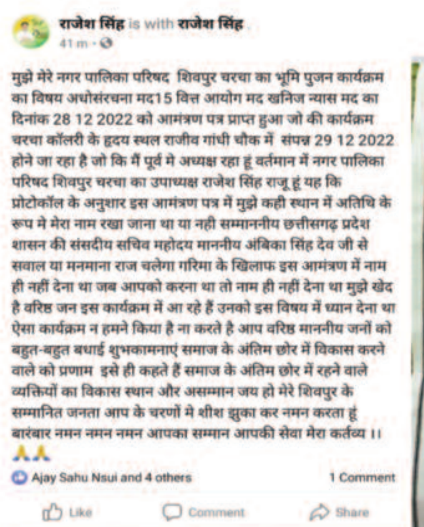
राजेश सिंह is with राजेश सिंह
41 m

मुझे मेरे नगर पालिका परिषद शिवपुर चरचा का भूमि पुजन कार्यक्रम का विषय अधोसंरचना मद15 वित्त आयोग मद खनिज न्यास मद का दिनांक 28 12 2022 को आमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ जो की कार्यक्रम चरचा कॉलरी के हृदय स्थल राजीव गांधी चौक में संपन्न 29 12 2022 होने जा रहा है जो कि मैं पूर्व मे अध्यक्ष रहा हू वर्तमान में नगर पालिका परिषद शिवपुर चरचा का उपाध्यक्ष राजेश सिंह राजू हू यह कि प्रोटोकॉल के अनुशार इस आमंत्रण पत्र में मुझे कही स्थान में अतिथि के रूप मे मेरा नाम रखा जाना था या नही सम्माननीय छत्तीसगढ़ प्रदेश शासन की संसदीय सचिव महोदय माननीय अंबिका सिंह देव जी से सवाल या मनमाना राज चलेगा गरिमा के खिलाफ इस आमंत्रण में नाम ही नहीं देना था जब आपको करना था तो नाम ही नहीं देना था मुझे खेद है वरिष्ठ जन इस कार्यक्रम में आ रहे हैं उनको इस विषय में ध्यान देना था ऐसा कार्यक्रम न हमने किया है ना करते है आप वरिष्ठ माननीय जनों को बहुत-बहुत बधाई शुभकामनाएं समाज के अंतिम छोर में विकास करने वाले को प्रणाम इसे ही कहते हैं समाज के अंतिम छोर में रहने वाले व्यक्तियों का विकास स्थान और असम्मान जय हो मेरे शिवपुर के सम्मानित जनता आप के चरणों मे शीश झुका कर नमन करता हूं बारंबार नमन नमन नमन आपका सम्मान आपकी सेवा मेरा कर्तव्य ।।

Ajay Sahu Nsui and 4 others · 1 Comment
Like · Comment · Share

नपा उपाध्यक्ष ने अपनी उपेक्षा को शिवपुर चरचा की उपेक्षा बताते हुए सोशल मीडिया में जताया विरोध

नगरपालिका उपाध्यक्ष ने अपनी उपेक्षा को शिवपुर चरचा की जनता की उपेक्षा बताते हुए सोशल मीडिया में एक पोस्ट किया है, जो अब वायरल हो रहा है। यह कोई पहला मौका नहीं है, कि इसे चूक माना जाए। बार-बार हो रहे इस प्रकार के घटनाक्रम को गलती की संज्ञा नहीं दी जा सकती। इसके पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री वेदांती तिवारी जो कि पीसीसी सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेसी हैं, के अलावा वरिष्ठ कांग्रेसी नेत्री श्रीमती प्रभा पटेल और कईयों कि नाराजगी भरी सभा में सामने आ चुकी है। कभी मंच पर बैठक को लेकर विवाद, तो कभी आमंत्रण पत्र में नाम ना होना, तो कभी भूमिपूजन और शिलान्यास के दौरान होने वाली उपेक्षाओं ने कोरिया जिले के राजनीति कि सुचिता को धूमिल किया है।

पूर्व भाजपा शासनकाल में उपेक्षा देखने को नहीं

इसके पूर्व भाजपा शासनकाल में ऐसा देखने को नहीं मिलता था। तत्कालीन समय में विपक्ष के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को भी उचित सम्मान मिलता था। शिला पट्टिका और आमंत्रण पत्र में भी ससम्मान नाम छापे जाते थे। उन्हें मंचों में उचित स्थान दिया जाता था परंतु वर्तमान में आयोजित होने वाले संपूर्ण कार्यक्रम को एक तरफा बनाने और विपक्ष तथा स्वयं के मन मुताबिक ना चलने वाले सत्तापक्ष के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान को ठेस पहुंचाने का कोई मौका कोरिया जिला प्रशासन एवं सत्ता पक्ष के नेताओं द्वारा नहीं छोड़ा जा रहा।

मुख्यालय में कलेक्टर से मिलना आसान,एसडीएम से मिलना चुनौती क्यों?

» न विभागीय काम निपट रहा न आमजन का काम परेशान हो रही जनता

» एसडीएम कार्यालय में अफसरशाही का जबरजस्त बोलबाला है प्रकरण निपटने में भी लग रहा समय

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिले में दोहरे प्रभार के साथ काम कर रही बैकुंठपुर एसडीएम से आमजन का मिल पाना कठिन हो गया है, विभागीय कामकाज के साथ ही आमजन को अपना काम कराने में इतनी परेशानी है कि कोई भी काम समय पर नहीं निपट पा रहा है, तय समय सीमा में होने वाला काम भी कई महीने तक लटका हुआ है, भू-स्वामी से लेकर अन्य वर्ग भी कार्यालय का चक्कर लगाते परेशान हैं लचर प्रशासनिक व्यवस्था के कारण अब शासन की भी किरकिरी हो रही है।

ज्ञात हो कि वर्तमान में बैकुंठपुर एसडीएम के रूप में संयुक्त कलेक्टर अंकिता सोम कार्यरत हैं उनके पारा कलेक्टारेट के भी कई शाखाओं का प्रभार है। जानकारी के तहत एसडीएम कार्यालय से जमीन के कई प्रकरणों की सुनवाई होती है तो वहीं भू-स्वामियों को भी अपना जमीन डायवर्सन कार्य के लिए एसडीएम कार्यालय जाना पड़ता है, एसडीएम के हस्ताक्षर के बाद ही डायवर्सन का परमिशन होता है। इसके साथ ही जमीन के कई विवादित प्रकरण की सुनवाई भी एसडीएम कोर्ट मे होती है। बतलाया जाता है कि जिले में डिप्टी कलेक्टरो की कमी के कारण संयुक्त कलेक्टर अंकिता सोम को बैकुंठपुर एसडीएम का प्रभार दिया गया है, सूत्र बतलाते हैं कि उनके एसडीएम बनने के बाद लोगो की परेशानी बढ़ गई है, किसी भी काम के लिए जरूरतमंद को कई बार चक्कर काटना पड़ रहा है, लोग अपना जरूरी काम कराने बहुत उम्मीद लेकर एसडीएम कार्यालय जाकर मिलने की कोशिश करते हैं लेकिन उनकी गैर मौजूदगी के बाद लोगो को मायुष होकर लौटना पड़ता है। एसडीएम कार्यालय में अफसरशाही का जबरजस्त बोलबाला है, कार्यालयीन कर्मचारियों को भी मिलने के लिए सोचना पड़ता है।

एसडीएम का इंतजार करती है जनता, लेकिन मिलना आसान नहीं

बैकुंठपुर एसडीएम कार्यालय के बाहर हर समय आमजन की भीड़ देखी जा सकती है, लोग उनका घंटो इंतजार करते बैठे रहते हैं लेकिन काफी इंतजार के बाद भी जब वे कार्यालय नहीं पहुंच पाती तो लोगो का मायुष होकर लौटना पड़ रहा है। लोग अपना महत्वपूर्ण काम के लिए भी महीनो चक्कर लगा रहे हैं, कई जरूरी फाईलें भी समय पर नही निपट पा रही है। एसडीएम के खिलाफ लोगो में आक्रोश तो व्याप्त है लेकिन मजबूरन लोग कुछ बोलना नही चाह रहे हैं।

दोनों कार्यालय से रहती हैं नदारद

एसडीएम के पास दोहरा प्रभार है जिससे कि उनके पास बहाने भी बहुत हैं जब कोई भी जरूरत मंद उनसे मिलने के लिए एसडीएम कार्यालय जाता है तो उसे बता दिया जाता है वे कलेक्टोरेट में बैठी हैं और कलेक्टोरेट में जाने पर बता दिया जाता है कि वे एसडीएम कार्यालय में मिलेंगी। जबकि हकीकत है कि वे अब कलेक्टोरेट स्थित अपने कक्ष में बैठती ही नही हैं।

आमजन के साथ विभागीय कर्मी भी हो रहे परेशान

बैकुंठपुर एसडीएम कार्यालय में उनकी गैर मौजूदगी से ऐसा नही है कि सिर्फ आमजन परेशान हो रहे है,बल्कि अब विभागीय कर्मचारी भी परेशान होने लगे हैं। जैसा कि बतलाया जाता है कलेक्टोरेट के विभिन्न शाखाओ की ओआईसी होने के कारण फाईलों में उनका हस्ताक्षर जरूरी होता है,विभाग में रोज फाईल आगे बढ़तीं है, उन फाईलो को लेकर कलेक्टोरेट के संबंधित शाखाओं के कर्मचारी एसडीएम कार्यालय का चक्कर काटते देखे जा सकते हैं, उन फाईलों को भी अब समय पर नही निपटाया जा रहा है। कर्मचारी वर्ग भी इससे खासा परेशान है। कलेक्टोरेट से एसडीएम कार्यालय आने जाने में यदि कोई महत्वपूर्ण फाईल गुम जाती है तो इसके लिए भी संबंधित कर्मचारी को ही परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सूत्रों ने बतलाया कि कई जरूरी फाईलों को भी समय पर एसडीएम द्वारा नहीं किया जाता है जिससे कर्मचारी परेशान हैं।

कलेक्टर से मिलना आसान

जिले विभाजन के बाद कोरिया का आकार काफी कम हो गया है,पहले बड़ा जिला होने के कारण प्रषासनिक प्रमुख कलेक्टर को आए दिन दौरा करना पड़ता था,लेकिन अब यह जिला काफी छोटा हो गया है। बतलाया जाता है कि कोई भी व्यक्ति यदि किसी काम से जिले के मुखिया कलेक्टर से मिलना चाहे तो वह आसानी से मिल सकता है, सप्ताह में एक दिन दौरा करने के बाद कलेक्टर अपने कार्यालय से ही जरूरी शासकीय काम निपटाते हैं इस बीच लोग उनसे आसानी से जाकर मिल लेते हैं। लेकिन वहीं एसडीएम से मिलना हो तो काफी कष्टदायक हो गया है न एसडीएम कार्यालय और न ही कलेक्टोरेट में लोग उनसे मिल पा रहे हैं, जिले में व्याप्त उक्त प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण लोग खासे परेशान हैं जिले के मुखिया से प्रशासनिक कसावट में भी ध्यान देने की मांग लोग कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में बंधक 19 श्रमिकों को प्रशासन ने कराया मुक्त

सकुशल वापसी पर श्रमिकों ने प्रशासन को दिया धन्यवाद

अम्बिकापुर, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)। महाराष्ट्र के बीड़ जिले में बंधक बनाकर रखे गए जिले के 19 श्रमिकों को जिला प्रशासन की टीम द्वारा मुक्त कराया गया तथा गुरुवार को अम्बिकापुर लाया गया। सकुशल वापसी पर श्रमिकों चेहरे पर खुशी झलकने लगी और उन्होंने जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

कलेक्टर श्री कुंदन कुमार को श्रमिकों के परिजनों के माध्यम से सूचना मिली कि महाराष्ट्र के बीड़ जिले में 19 श्रमिकों को बंधक बनाकर रखा गया है जिस पर कलेक्टर ने त्वरित कार्यवाही करते श्रमिकों की रेस्क्यू के लिए नायब तहसीलदार श्री कोमल साहू के नेतृत्व में टीम गठित कर महाराष्ट्र भेजा। महाराष्ट्र में ये श्रमिक विभिन्न संस्थानों में श्रमिक का कार्य कर रहे थे। अम्बिकापुर की टीम 26 दिसंबर को रवाना होकर 27 दिसंबर को बीड़ महाराष्ट्र पहुंची। टीम ने महाराष्ट्र के बीड़ जिले के जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर दबिश दी। इसके पश्चात श्रमिकों को बंधनमुक्त कराया गया। उपरोक्त सभी श्रमिकों को अवमुक्त कराकर 29 दिसंबर को दोपहर 12 बजे सकुशल अम्बिकापुर लाया गया।

रेस्क्यू टीम में श्रम निरीक्षक श्री केके प्रजापति, एएसआई श्री बालमुकुंद, आरक्षक श्री रामकुमार, श्री सूरज राठिया सम्मिलित थे।

समय से पहले पतझड़ व समय से पहले आम के पेड़ में आए बौर क्या अच्छे संकेत नहीं?

» जलवायु परिवर्तन का असर वर्तमान मौसम में हो रहा परिलक्षित

» पर्यावरण चक्र से विलग 2 माह पूर्व ही होने लगा परिवर्तन

» इस वर्ष कड़ाके की ठंड का नहीं दिखा असर, ना पाला पड़ा,ना शीतलहर चली

» गर्मी का एहसास अभी से, भीषण गर्मी पड़ सकती है 2023 में

» जलवायु में अप्रत्याशित परिवर्तन देश के लिए चिंताजनक।

» इस वर्ष ठंड वैसे नहीं पड़ी पर गर्मी का एहसास अभी से ही, 2023 में भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान?

» जलवायु परिवर्तन से 2023 किसानों से लेकर आम लोगों के लिए चिंताजनक हो सकता है।

» ऋतु के साथ समय का चक्र बिगड़ा सब कुछ ऋतु से पहले हो रहा क्यों?

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

परिवर्तन प्रकृति का नियम है परिवर्तन चाहे किसी भी प्रकार का हो, नया दौर आने पर असहज महसूस होता है। परिवर्तन को सहजता से स्वीकार करना कठिन कार्य है और परिवर्तन अनुसार ढलने में वक्त लगता है। किसी भी प्रकार का परिवर्तन यदि अल्प हो तो उसका व्यापक असर नहीं होता। परंतु जब परिवर्तन ही सार्वभौमिक हो तो प्रभाव भी सार्वभौमिक हो जाता है। सभ्य समाज के निर्माण के? लिये प्रगति और विकास की होड़, आपसी प्रतिस्पर्धा, आधुनिकीकरण, भौतिक सुख-सुविधाओं हेतु उन्नत तकनीकों का विकास क्रम, भौतिकवादी जीवन शैली, नित नए अविष्कार के अनुक्रम में मानव प्रजाति को जहां एक ओर संवेदना विहीन करने का कार्य किया। तो वहीं धरती आकाश और पाताल तक होने वाले मानवीय हस्तक्षेप ने प्राकृतिक तौर पर एक असंतुलन पैदा कर दिया है। जिसका असर गाहे-बगाहे प्रकृति दिखा जाती है। परंतु आधुनिक मानव का चेतना विहीन मस्तिष्क अभी भी इन प्राकृतिक संकेतों को समझ नहीं पा रहा। भूकंप, बाढ़, ग्लेशियरों का पिघलना, समुद्री क्षेत्रों का विस्तार, थल क्षेत्र का जलीय अतिक्रमण, भूस्खलन, बेमौसम मूसलाधार बारिश यह सब प्रकृति के ऐसे संकेत हैं, जो मानव प्रजाति को जलवायु परिवर्तन और ऋतु चक्र परिवर्तन के प्रति आगाह कर रहे हैं। मानवीय कृत्यों का ही परिणाम है कि मौसम अनुसार कोई भी प्राकृतिक घटनाक्रम घटित नहीं हो रही है। ऋतुओ के अनुसार बारिश का ना होना, ठंड का बेअसर होना, बेमौसम गर्मी का एहसास होना गंभीर चिंता का विषय है।

समय से पहले पतझड़ व आम के पेड़ में आए बौर क्या अच्छे संकेत नहीं?

सामान्यतः बसंत ऋतु तक आने वाला पतझड़ और वार्षिक आम की फसलों में लगने वाले बौर इस बार शीत ऋतु में ही देखने को मिल रहा है, जो कि अच्छे संकेत नहीं है। मौसम के अनुसार आम के वृक्षों में फूल का आना और पतझड़ का मौसम बसंत ऋतु के आसपास का होता है, परंतु बसंत ऋतु के डेढ़ से 2 माह पूर्व ही इस प्रकार की घटनाएं भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं है। गर्मी का एहसास अभी से होने लगा है। दिन में तेज हवाएं चल रही हैं, यह सब पर्यावरण असंतुलन का परिणाम है। अगर इक्का-दुक्का स्थानों पर ही ऐसे परिवर्तन देखने को मिलते, तो यह गंभीर बात नहीं थी। परंतु अधिकांश स्थानों पर यह परिवर्तन परिलक्षित हो रहा है। यह परिवर्तन तात्कालिक नहीं अपितु दीर्घकालिक मानवीय कृत्यों का परिणाम है, जिसे संस्था से स्वीकार करना मानव के वश में नहीं होगा।

पर्याप्त ठंड न पड़ने की वजह से रबी की फसलों को हो सकता है नुकसान

रबी सीजन की फसल जैसे गेहूं, सरसों जिनके लिए पर्याप्त ठंड की आवश्यकता होती है, इस बार बारिश की देरी की वजह से धान की फसल भी देर से हुई, तत्पश्चात गेहूं, सरसों की बुवाई में समय लग गया। अब हालात यह है कि फसल अपनी प्रारंभिक दौर में है और ठंड का असर शनै-शनै ग्रीष्म की ओर बढ़ रहा है। इन परिस्थितियों में धरती के ऊपर की नमी का गर्मी और हवा की बयार की वजह से बार बार सूख जाना इन फसलों के लिए नुकसानदेह है।

जहां एक ओर इन फसलो को पर्याप्त ठंड की आवश्यकता पड़ती है। वहीं बेअसर दिख रहे ठंड के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। पहले बारिश ने किसानों को खूब सताया, अब रबि की फसल के लिए अनुकूल मौसम ना होने के कारण किसान फिर से ठगे रह जाएंगे।

मनुष्य का विकास क्रम, पर्यावरण और दोहन स्वरूप उपजी अनियमितताएं ही विकास से विनाश की ओर का कदम है

मनुष्य की प्रकृति पर निर्भरता आदि काल से ही चली आ रही है। इसीलिए विश्व की प्रत्येक सभ्यता में प्रकृति की पूजा का प्रावधान है। प्राचीन भारतीय समाज भी प्रकृति के प्रति बहुत ही जागरूक था। वैदिक काल में प्रकृति के विभिन्न अंगों भूमि, पर्वत, वृक्ष, नदी, जीव-जन्तु आदि की पूजा की जाती थी। प्रकृति के प्रति मनुष्य की इस असीम श्रद्धा के कारण पर्यावरण स्वतः सुरक्षित था । विकास की अंधी दौड में मनुष्य ने प्रकृति को अत्यधिक नुकसान पहुँचाना शुरू कर दिया । एक सीमा तक प्रकृति उस नुकसान की भरपाई स्वयं कर सकती थी, लेकिन जब उसकी स्वतः पूर्ति की सीमा समाप्त हो गई तो पर्यावरण असंतुलित हो गया। आज का मनुष्य लालच के वशीभूत होकर प्रकृति का दोहन कर रहा है। इसकी अति-उपभोगवादी प्रवृत्ति के कारण प्रकृति को इतना नुकसान पहुँच चुका है कि प्रकृति की मूल संरचना ही विकृत हो गई है। अगर हम यह विचार करें कि जिस प्रकृति की मनुष्य पूजा करता था, वह उसके प्रति इतना क्रूर कैसे हो गया। इसके उत्तर में हम देखेंगे कि समय के साथ मनुष्य की सोच में परिवर्तन आ गया है। प्रकृति के साथ सहजीवन व सह-अस्तित्व की बात करने वाला मनुष्य कालान्तर में यह सोचने लगा कि यह पृथ्वी केवल उसके लिए ही है; वह इस पर जैसे चाहे वैसे रहे।अपनी इस नवीन सोच के कारण वह प्रकृति को पूजा व सम्मान की नहीं अपितु उपभोग की एक वस्तु के रूप में देखने लगा। उसके विचारो में आया यह परिवर्तन ही पर्यावरण असंतुलन का आधार तैया किया । पर्यावरण के असंतुलन के लिए अनेक कारण उत्तरदायी हैं । लेकिन वे सभी कही न कहीं हमारी अनियोजित व अदूरदर्शी अर्थनीति से जुड़े हुये हैं ।

मनुष्य अपनी आर्थिक उन्नति के लिए 'कोई भी कीमत' देने को तैयार है

आज का मनुष्य अपनी आर्थिक उन्नति के लिए ÷कोई भी कीमत÷ देने को तैयार है। उस ÷कोई भी कीमत÷ की सबसे बडी कीमत प्रकृति को ही देनी पड़ती है। भारी औद्योगीकरण आज विकास का पर्यायवाची बन गया है । इन बड़े उद्योगों की स्थापना से लेकर इनके संचालन तक प्रत्येक स्तर पर पर्यावरण को नुकसान पहुँचता है । इन औद्योगिक इकाइयों के निर्माण के लिए वनों की कटाई की जाती है। उत्पादन के प्रक्रम में इनसे विभिन्न हानिकारक अपशिष्टों का उत्सर्जन होता है। ये पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाले सबसे प्रमुख कारक हैं। परिवहन के विकास एक ने खनिज तेलों उपभोग को बहुत बढ़ा दिया है। इनके ज्वलन से SO_2, CO_2, CO आदि जैसी हानिकरण गैसें निकलती है जो वायु प्रदूषण को फैला रही हैं।

कृषि में भी रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशको का उपयोग बढता जा रहा है। ये सब तात्कालिक रूप से लाभप्रद दिखते हैं । लेकिन दीर्घकाल में इनके दुष्परिणाम बहुत ही भयानक होते हैं । इसी प्रकार अन्य विकासात्मक कार्य जैसे-सड़क निर्माण बाँध रेलवे खनन आदि भी पर्यावरणीय नुकसान में अपना योगदान करते हैं साथ ही कुछ परम्परागत कारण, जैसे- वनों का दोहन, अवैध कटाई आदि, भी पर्यावरण संतुलन को बिगाडते हैं। वर्तमान में आर्थिक विकास की होड़ में विश्व के सभी राष्ट्र अपने औद्योगिक विकास को हर कीमत पर जारी रखना चाहते हैं, इसके लिए वे पर्यावरण के लिए अपनी जिम्मेदारियों की उपेक्षा करने लगे हैं।

विकसित राष्ट्र अपने दायित्वों को स्वीकार न करते हुये सारा दोष विकासशील राष्ट्रों पर डाल देते हैं

विकसित राष्ट्र अपने दायित्वों को स्वीकार न करते हुये सारा दोष विकासशील राष्ट्रों पर डाल देते हैं। वहीं विकासशील देश अपनी विकास की मजबूरियों का हवाला देते है। इन कारणों से पर्यावरण संरक्षण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय चिन्ताएँ तो व्यक्त की जाती हैं लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हो पाती है। यहाँ यह समझने की आवश्यकता है कि मनुष्य को पर्यावरण की रक्षा के लिए अपनी विकासात्मक गतिविधियों को रोकना जरूरी नहीं है । लेकिन इतना जरूर है कि हमें पर्यावरण की कीमत पर विकास नहीं करना चाहिए क्योंकि विकास से अभिप्राय समग्र विकास होता है केवल आर्थिक उन्नति नहीं। यदि हम मात्र इतना ध्यान रखे कि ये पेड-पौधे नदिया-तालाब. वन्य-जीव हमसे पिछली पीढ़ी ने हम तक सुरक्षित पहुँचाया है।

विकास के नाम पर पर्यावरण को होने वाली क्षति समाप्त हो जायेगी

हमारा दायित्व है कि हम इसे अपनी आने वाली पीढी तक सुरक्षित पहुँचाये। केवल इतना करने से ही विकास के नाम पर पर्यावरण को होने वाली क्षति समाप्त हो जायेगी। यही सतत विकास की संकल्पना का आधार है। पिछले कुछ दशकों से पर्यावरण असंतुलन की स्थिति बहुत ही भयावह हो गई है । प्रकृति के साथ सदियों से चली आ रही कुरता के दुष्परिणाम अब सामने आने लगे हैं। ग्लेशियरों का पिघलना, अरब के रेगिस्तानों में भारी वर्षा, ओजोन परत में छिद्र, बाढ, भूकम्प, अम्ल वर्षा, सदानीरा नदियों का सूखना फसल चक्र का प्रभावित होना जैव-विविधता में तीव्र गति से ह्रास होना आदि असंतुलित पर्यावरण की ही अभिव्यक्ति है।

निगम अमला हुआ सख्त,बिना अनुमति बन रहे भवनों पर कार्यवाही की तैयारी

- संवाददाता -
कोरबा, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बगैर अनुमति प्राप्त किए व नक्शा पास कराए बिना भवन मकान दुकान आदि का निर्माण करने वालों पर निगम कड़ी कार्यवाही करेगा, इसी प्रकार अनियमित निर्माण का नियमितीकरण कराने हेतु जिन लोगों द्वारा आवेदन प्रस्तुत नहीं किए जा रहे हैं, उन पर भी निगम के अधिकारियों की कड़ी नजर बनी हुई है। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने नियमों का पालन न करने, नियम विरूद्ध भवन निर्माण करने तथा निगम को आर्थिक क्षति पहुंचाने वालों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को त्वरित रूप से आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए है।आयुक्त ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में निगम के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर निगम के विभिन्न कार्यों शासकीय योजनाओं की कार्यप्रगति, राजस्व वसूली व अन्य विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की। आयुक्त ने भवन निर्माण अनुमति शाखा से जुड़े कार्यो की समीक्षा करते हुए भवन निर्माण अनुमति हेतु प्राप्त आवेदनों तथा उन पर की गई कार्यवाही की जानकारी ली ढ्ढ अनियमित विकास के नियमितीकरण हेतु आवेदनों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन व्यक्तियों का निर्माण अनियमित है, यदि वे नियमितीकरण हेतु जल्द आवेदन प्रस्तुत नहीं करते है, तो उन पर तुरंत कार्यवाही करें। इसी प्रकार निगम के विभिन्न जोन अंतर्गत बनने वाले ऐसे भवन मकान जिनकी विधिवत अनुमति प्राप्त नहीं की गई, नियमानुसार नक्शा पास नहीं कराया गया, उन पर भी नियमों के तहत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। आयुक्त श्री पाण्डेय ने जोनवार नियुक्त भवन निरीक्षकों व प्रभारी अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि वे नियमित रूप से स्थल निरीक्षण करें तथा यह देखे कि मकान निर्माण की

विधिवत अनुमति निगम से ली गई, नक्शा पास कराया गया है, यदि ऐसा नहीं किया गया तो नियमों के उल्लंघन पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। बैठक के दौरान आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने जोनवार राजस्व वसूली कार्य प्रगति की विस्तार से समीक्षा की तथा अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व वसूली कार्यों में तेजी लाएं, निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करें, लक्ष्य के अनुसार राजस्व की वसूली न होने पर संबंधित अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार होंगे। उन्होने कहा कि जिन बकायेदारों को डिमांड नोटिस का समय पूरा हो गया है, उन्हें कुर्की वारंट जारी करें, यदि बकायादारों द्वारा 10 जनवरी तक बकाया राशि जमा नहीं की जाती तो कुर्की की कार्यवाही प्रारंभ कराएं ढ्ढ आयुक्त ने निगम के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी की घोषणा का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करते हुए निगम द्वारा निर्मित भवनों तथा निगम आधिपत्य के भवनों की आवश्यकतानुसार पोताई केवल गोबर पेंट से ही की जाए, यदि गोबर पेंट के स्थान पर किसी अन्य पेंट से पोताई पेंटिंग का कार्य कराया जाता है तो संबंधित अधिकारी की जवाबदारी तय की जाएगी।

बैठक के दौरान अपर आयुक्त खजांची कुम्हार, अधीक्षण अभियंता एम.के.वर्मा, उपायुक्त पवन वर्मा, बी.पी.त्रिवेदी, जोन कमिश्नर ए.के.शर्मा, आर.के.माहेश्वरी, एम.एन.सरकार, एन.के.नाथ, विनोद शांडिल्य, अखिलेश शुक्ला, तपन तिवारी, संपदा अधिकारी श्रीधर बनाफर, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी व सुनील वर्मा, सहायक लेखाधिकारी अशोक देशमुख, राजस्व अधिकारी अशोक बनाफर, रघुराज सिंह, अनिरुद्ध सिंह, के.एस.क्षत्री, सहायक अभियंता डी.सी.सोनकर, प्रकाश चन्द्रा, एच.आर.बघेल, विवेक रिछारिया, राहुल मिश्रा, गोयल सिंह विमल आदि के साथ अन्य अधिकारी अभियंता गण उपस्थित थे।

डायल 112 वाहन में महिला ने बच्चे को दिया जन्म,जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

- संवाददाता -
कोरबा, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

डायल 112 वाहन में प्रसव पीड़ा से कराह रही गर्भवती महिला ने बच्चे को दिया जन्म । जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ है और उन्हें पाली के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। पाली ब्लॉक मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर सुदूर पहाड़ी वनांचल क्षेत्र रतखंडी काचरमार से डायल 112 में कॉल कर मदद मांगी गई। डायल 112 में तैनात डायल 112 में तैनात आरक्षक गीतेश देवांगन व चालक भरत कंवर कालर के बताए अनुसार ग्राम काचर मार रतखंडी पहुंचे। पुलिस की वाहन घर तक नहीं पहुंची। डायल 112 के स्टाफ पैदल घर तक पहुंचे जहां रोशनी बाई उरेती पति महेश राम प्रसव पीड़ा से कराह रही थी। उसे खाट पर वाहन तक लेकर पहुंचे और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाली लाने रवाना हुए। रास्ते में महिला को अत्यधिक प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों के कहने पर उचित स्थान देखकर पुलिस ने गाड़ी रोकी और ईआरवी वाहन में ही परिजनों की मदद से सुरक्षित प्रसव कराया गया। महिला ने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। डायल 112 स्टॉफ के सहयोग को परिजनों ने सराहा।

कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल का औचक निरीक्षण कर आईसोलेशन वार्ड,ऑक्सीजन सप्लाई और दवाइयों की उपलब्धता का लिया जायजा

- संवाददाता -
कोरबा, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोविड संक्रमण की किसी भी स्थिति से निपटने के लिए शासन के निर्देशानुसार जिले में स्वास्थ्य संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर संजीव झा ने मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। वही उन्होंने अस्पताल परिसर में नवनिर्मित 20 बिस्तर के कोविड वार्ड में उपलब्ध सुविधाओं का लिया जायजा , साथ ही कोविड से निपटने जिले में उपलब्ध मेडिकल स्टाफ, ऑक्सीजन सप्लाई, लॉजिस्टिक, आईसोलेशन वार्ड सहित कोविड के इलाज में जरूरी दवाइयों की उपलब्धता के बारे में सीएमएचओ डॉ. एस.एन. केसरी से जानकारी ली। कलेक्टर श्री झा ने निरीक्षण के दौरान कहा कि कोविड संक्रमण की संभावित स्थिति से निपटने के

लिए जिले में पर्याप्त स्वास्थ्य संसाधन मौजूद है। शासन के निर्देशानुसार प्रोटोकॉल के अनुसार सभी दवाइयां उपलब्ध है। पर्याप्त मात्रा में जम्बो ऑक्सीजन सिलेंडर भी उपलब्ध है। वर्तमान में जिले में कोविड संक्रमण की स्थिति नहीं है। कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आने वाले किसी भी चुनौतियों के लिए सभी तैयारियां सुनिश्चित की जा रही है , साथ ही शासन के निर्देशानुसार सभी स्वास्थ्य सुविधाएं लगातार विकसित की जा रहीं हैं। कलेक्टर ने 20 बिस्तर के कोविड वार्ड के निरीक्षण के दौरान वार्ड में बिजली,पानी,सफाई एवं अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। वही उन्होंने परिसर में निर्मित पीएसए ऑक्सीजन प्लांट से कोविड वार्ड में ऑक्सीजन सप्लाई सुनिश्चित करने के दिशा में तेजी से काम करने के निर्देश सिविल सर्जन एवं अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर प्रदीप साहू,नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय सहित मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

गोधन न्याय योजना में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्तः कलेक्टर संजीव झा

- संवाददाता -
कोरबा, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर संजीव झा ने जिला पंचायत सभा कक्ष में कृषि विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री झा ने राज्य शासन की फ्लैगशिप गोधन न्याय योजना के जिले में सक्रिय संचालन और योजना की मॉनिटरिंग के बारे में विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जिले के गौठानों में गोधन न्याय योजना का गंभीरता पूर्वक संचालन करने तथा नियमित तौर पर इसकी मॉनिटरिंग करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री झा ने कहा कि गोधन न्याय योजना के संचालन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने योजनांतर्गत नियमित तौर पर

गौठानों में गोबर खरीदी करने तथा खरीदे गए गोबर का सही अनुपात में वर्मी कम्पोस्ट निर्माण करने के निर्देश दिए। बैठक में शामिल ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को गोबर खरीदी से लेकर वर्मी कम्पोस्ट निर्माण के विभिन्न चरणों का तिथिवार शेड्युल बनाकर लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीओ को निर्धारित प्रारूप में शेड्युल बनाने तथा सभी गौठानों के नोडल अधिकारियों के साथ साझा करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शेड्यूल के अनुसार कार्य करने से गोबर खरीदी से वर्मी कम्पोस्ट निर्माण तक के विभिन्न चरणों के संपादन में आसानी होगी। साथ ही खरीदे गए गोबर के 40 प्रतिशत अनुपात में वर्मी कम्पोस्ट निर्माण में भी मदद मिलेगी। कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्री नूतन कंवर, उपसंचालक कृषि श्री अजय अनंत, सहायक संचालक कृषि श्री देवेंद्र कंवर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

- संवाददाता -
चिरमिरी दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

आम आदमी पार्टी मनेंद्रगढ़ विधानसभा इकाई ने दिल्ली एमसीडी के चुनाव एवं पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने पर कार्यकर्ताओं ने राधा कृष्ण मंदिर भैंसा दफाई से हल्दीबाड़ी तिराहे तक रैली निकालकर जश्न मनाया एवं एक दूसरे को मिठाइयां खिलाकर खुशियां बांटी। इसके उपरांत पंजाब नेशनल बैंक के सामने एक आम सभा का आयोजन किया गया। उक्त आम सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि दिल्ली एमसीडी व गुजरात चुनाव में सफलता मिलने से पार्टी कार्यकर्ताओं में एक नया जोश और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है जिसका लाभ आगामी चुनाव में देखने को मिलेगा।

दिल्ली की जनता ने आपको बहुमत देकर यह संदेश दिया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जो काम किया है उसके आगे झूठ फरेब की राजनीति नहीं चलेगी यह जीत केजरीवाल सरकार की नीति और और जनता के विश्वास की जीत है। उक्त कार्यक्रम में भरत मिश्रा, विश्वजीत पांडेय,दीपक डे, धर्मजीत सिंह,अमरजीत पटेल, श्रुति शर्मा, राजकुमार पांडेय,जोगेन्द्र तिवारी, अशोक सोनी, अरुणा पनिका,बाबा खान, इस्माइल खान,मनमौजी, बिंदु देवी एवं इंदु देवी समेत भारी संख्या में आप कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज का 356 वां प्रकाश पर्व श्रद्धा व उल्लास से मना

अंबिकापुर, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

श्री गुरु गोविन्द सिंह जी के 356 वें प्रकाश पर्व श्री गुरु सिंघ सभा द्वारा बड़े श्रद्धा व उल्लास से मनाये गया । दोपहर 11 बजे से 1.30 बजे तक संबद कीर्तन व श्री गुरु गोविन्द सिंह जी के जीवनी पर प्रकाश उपरान्त गुरु का अटूट लंगर बरताया गया ।

श्री गुरु सिंघ सभा के अध्यक्ष सरदार गुरुचरण सिंह छाबड़ा ने बताया कि 22 दिसम्बर से 26 तक सुबह 5.00 बजे प्रभात फेरी निकाली गई और 25 दिसम्बर को रात्रि 8 बजे 4 साहेबजादे की सहादत में विशेष कीर्तन दिवान सजाया गयें। रात्रि दिवान सायः 8 बजे से समाज के बच्चो के कार्यक्रम व सबंद कीर्तन का कार्यक्रम हुआ । श्री गुरु सिंघ सभा के अध्यक्ष सरदार गुरुचरण सिंह छाबड़ा सचिव स. नरेन्द्र सिंघ भामरा में समस्त नगरवासियों को प्रकाश पर्व की बधाइयां देते हुए सभी समाज के सभी वर्गों ने मिलजुलकर प्रकाश पर्व बहुत ही उल्लास से मनाया।

फुटपाथ व झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के बीच वितरण किए गए कंबल

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

ठंड में जिला पंचायत के उपाध्यक्ष आदितेश्वर शरण सिंह देव द्वारा चलाए जा रहे मुहिम के द्वारा गुरुवार को फिर शहर के अलग-अलग जगहों पर फुटपाथ पर झोपड़ी बनाकर सोने वाले लोगों को गर्म कपड़े प्रदान किया गया। मोहीम नवंबर से शुरू हुई है जो जनवरी तक चलेगी जिस पर समय-समय पर अलग-अलग जगहों पर गर्म कपड़े सदस्यों के द्वारा वितरित किए जाते हैं। पहले बस स्टैंड में सोने वाले लोगों को उसके बाद कंपनी बाजार के जरूरतमंदों को फिर महामाया मंदिर , हनुमान मंदिर के आसपास बैठे जरूरतमंदों को प्रदान किया गया। यह मुहिम लगातार जनवरी तक चलेगी जिस पर शुभम जायसवाल, राहुल सोनी ,अफताब अंसारी, अनिकेत, यासिर, बिट्टू, राहुल मौजूद थे जो इस कार्य पर लगे हुए हैं।

ग्रामीणों ने जताया विरोध,बक्साइड उत्खनन के लिये जमीन नहीं देने का नारा लगाकर एसडीएम कार्यालय को सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
कुसमी, 29 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सामरी पाठ क्षेत्र के जमीरा पाठ में 22 दिसम्बर 2022 को सी.एम.डीसी कम्पनी के द्वारा बक्साइड उत्खनन के लिये जमीरा पाठ में जन सुनवाई रखा गया था जहाँ पर कई ग्रामीण लोगो के द्वारा बाक्साइड उत्खनन का विरोध सामने आया था तो वही कई लोग सी.एम.डीसी कम्पनी के द्वारा उत्खनन के लिये राजी होने की बात भी सामने आई थी,लेकिन आज गुरुवार को पांच सौ से आठ सौ की संख्या के बीच जमीरा पाठ ग्राम पंचायत के अंतर्गत पडने वाले गांव डूमरपाठ बोदीटोला सहित अन्य गांव के ग्रामीण लोग एसडीएम कार्यालय पहुँचे और सी.एम.डीसी कम्पनी के द्वारा बक्साइड उत्खनन के लिये चल रहे प्रक्रिया का विरोध जताया ग्रामीणों एवं कुछ पंच के द्वारा यह जानकारी दिया गया कि उनके बिना राय लिये ही बाक्साइड उत्खनन के लिये कुछ लोगो के द्वारा छल पूर्वक राजीनामा दे दी गई है जिसके वजह से बाक्साइड उत्खनन के लिये सीएमडीसी कम्पनी तैयारी कर रही है जबकि सबसे पहले हमारे ग्राम पंचायत में सरपंच सचिव उपसरपंच पंच और ग्रामीणों के बीच ग्राम सभा का आयोजन किया जाना था लेकिन ग्राम सभा का आयोजन कब किया गया यह बहुत सारे ग्रामीणों एवं कई पंचों को पता ही नही चला , सीधे जनसुनवाई कम्पनी के द्वारा किया गया,कुछ पंचों ने यह आरोप भी लगाया कि उनका फर्जी दस्खत कर बाक्साइड उत्खनन की स्वीकृति भी दिया गया है,वही विरोध प्रदर्शन करने आये ग्रामीणों ने यह भी कहा कि हम जमीन बाक्साइड उत्खनन के लिये नही देंगे बाक्साइड उत्खनन से हमारे पर्यावरण को भी नुकसान पहुँचता है,साथ ही जमीन खेती योग्य रहेगा तो भविष्य में हमारे बच्चों के काम आयेगा,वही सी.एम.डीसी कम्पनी की बाक्साइड उत्खनन प्रक्रिया में रोक लगाने की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम का ज्ञापन एसडीएम कार्यालय को सौपा गया है,ज्ञापन सौपने के कार्यक्रम में प्रीतम गुप्ता,आनंद जायसवाल,चंदन यादव बंसत नगेसिया,सहित काफी संख्या में गांव के ग्रामीण शामिल हुये थे।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील - अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0- /ब-121/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका तेजपाल पैकरा आ0/पति बलवीर पैकरा निवासी गंगापुर खुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) द्वारा अपने पत्नी स्व0 राम कुमारी पैकरा के जन्म/मृत्यु प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। जॉच में आवेदक/आवेदिका का दावा सही पाया गया है। मृत्यु दिनांक 15/08/2020। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकशन से 15 दिवस के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/11/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर

ऑस्ट्रेलिया ने द.अफ्रीका को हराकर श्रृंखला जीती

मेलबर्न,29 दिसम्बर 2022। स्पिनर नाथन लियोन ने 58 रन देकर तीन विकेट लिए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन गुरुवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को पारी और 182 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। ऑस्ट्रेलिया अब चार जनवरी से सिडनी में होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में जीत दर्ज करके श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने की कोशिश करेगा। दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 385 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया और उसकी पूरी टीम 204 रन पर आउट हो गई।

तेंबा बावुमा ने दक्षिण अफ्रीका की तरफ से दूसरी पारी में सर्वाधिक 65 रन बनाए लेकिन इस बीच उनके कारण दो खिलाड़ियों को रन आउट होकर पवेलियन लौटना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2005-06 के बाद पहली बार घरेलू श्रृंखला जीती है। इस बीच दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट श्रृंखलाएं जीती थी। दक्षिण अफ्रीका ने एक विकेट पर 15 रन से आगे खेलते हुए सुबह के सत्र में तीन विकेट गंवाए। उंगली में चोट से उबर रहे मिशेल स्टार्क ने सारेल एरवी (21) को तेज यार्कर पर पगबाधा आउट करके ऑस्ट्रेलिया को सुबह पहली सफलता दिलाई, जिससे स्कोर दो विकेट पर 47 रन हो गया।

इसके 10 रन बाद तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने थ्यूनिस डी ब्रुइन (28) को दूसरी स्लिप में कैच कराया जबकि खाया जोंडो (एक) के रन आउट होने से स्कोर चार विकेट पर 65 रन हो गया। बावुमा और काइल वेरिन (33) ने पांचवें विकेट के लिए 63 रन जोड़े। बोलैंड (49 रन देकर दो) ने लंच के बाद चौथे ओवर में वेरिन को पगबाधा आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। पहली पारी में अर्धशतक जड़ने वाले मार्को जेनसन (पांच) को लियोन ने पगबाधा आउट किया। बावुमा ने केशव महाराज (13) को वापस भेज कर रन आउट कराया। उन्होंने इसके बाद लियोन पर स्लॉग शॉट खेलकर मिड ऑन पर आसान कैच दिया।

लियोन ने इसके बाद कैगिसो रबाडा (तीन) के रूप में अपना तीसरा विकेट लिया। एनरिक नोर्किया (नाबाद आठ) और लुंगी एनगिडी (19) ने अंतिम विकेट के लिए 27 रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। मध्यम गति के गेंदबाज कैमरन ग्रीन के पांच विकेट की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 189 रन पर समेट दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने इसके जवाब में सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के 200 रन और एलेक्स कैरी के 111 रन की मदद से अपनी पहली पारी आठ नौ विकेट 575 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।

हैलैंड का रिकॉर्ड,मैनचेस्टर सिटी ने लीड्स को 3-1 से हराया

लीड्स ,29 दिसम्बर 2022। एरलिंग हैलैंड के रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में लीड्स को 3-1 से पराजित किया। हैलैंड ने दो गोल दागे और इस तरह से वह सबसे कम मैचों में 20 गोल करने वाले खिलाड़ी बने। नार्वे के स्टार फुटबॉलर ने 14 मैचों में यह कारनामा किया। उन्होंने रिकॉर्ड बनाने के बाद कहा,'' स्ट्राइकर होने के नाते मैं दो गोल और कर सकता था, लेकिन यही जिंदगी है। मैं क्या कर सकता हूं। मुझे और अभ्यास करना होगा।''

हाकी विश्वकप के लिये छह राज्यों के मुख्यमंत्री को भेजा गया न्योता

भुवनेश्वर,29 दिसम्बर 2022। ओडिशा सरकार ने 13 से 29 जनवरी के बीच भुवनेश्वर और राउरकेला में खेले जाने वाले पुरुष हाकी विश्वकप के लिये छह राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया है।

सूबे के खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता कल्याण मंत्री अतनु सब्यसाची नायक ने चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और पुडुचेरी में पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी से मुलाकात की और व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की ओर से हॉकी विश्वकप का दीदार करने के लिये निमंत्रण पत्र दिया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री अशोक चंद्र पांडा ने दिल्ली में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी से मुलाकात की और उन्हें व्यक्तिगत रूप से पटनायक को निमंत्रण सौंपा।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की। एसटी/एससी मंत्री जगन्नाथ सरका ने रांची में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और उन्हें विश्व कप हॉकी में भाग लेने के लिए पटनायक का निमंत्रण सौंपा।

राज्य के वित्त मंत्री निरंजन पुजारी ने दिल्ली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और राज्य के इस्पात और खान मंत्री प्रफुल्ल मल्लिक ने पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की और उन्हें विश्व कप हॉकी के लिए मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का निमंत्रण दिया।

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने देश के सभी मुख्यमंत्रियों को विश्वकप हाकी में आमंत्रित करने का फैसला किया है।

पेरिस सेंट जर्मेन ने स्ट्रासबर्ग को 2-1 से हराया

पेरिस,29 दिसम्बर 2022। विश्वकप के बाद अपना पहला मैच खेल रहे ब्राजील के स्टार नेमार को पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की स्ट्रासबर्ग के खिलाफ 2-1 से जीत के दौरान लाल कार्ड का सामना करना पड़ा। नेमार को 61वें मिनट में स्ट्रासबर्ग के मिडफील्डर एड्रियन थॉमसन को पकड़ने पर पहला पीला कार्ड मिला। इसके एक मिनट बाद गलत तरीके से डाइव लगाने पर उन्हें दूसरी चेतावनी के तौर पर लाल कार्ड मिला। इस फारवर्ड ने रेफरी क्लेमेंट टरपिन से बहस भी की लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। नेमार को 2017 में पीएसजी से जुड़ने के बाद पांचवी बार लाल कार्ड मिला है। इसके कारण वहां रविवार को लेंस के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। फ्रांसीसी लीग में 2017-2018 के बाद किसी भी खिलाड़ी को इतनी अधिक बार बाहर नहीं किया गया। ब्राजील को कतर में खेले गए विश्वकप के क्वार्टर फाइनल में क्रोएशिया से हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद नेमार की आंखें छलक आई थी।

दसवीं एशियन महिला यूथ हैंडबॉल चैंपियनशिप अगले साल नोएडा में

नोएडा ,29 दिसम्बर 2022। एशियन हैंडबॉल फेडरेशन (एएचएफ) के तत्वावधान में 10वी एशियन महिला यूथ हैंडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन अगले साल नोएडा में 23 जुलाई से एक अगस्त के बीच होगा।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि चैंपियनशिप में गत विजेता कोरिया, जापान, चीन, चीनी ताइपे, ईरान, बांग्लादेश, हांगकांग, कजाकिस्तान, उज्जबेकिस्तान व मेज़बान भारत समेत 10 देश खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे। इस प्रतियोगिता की पहली पांच टीमें अगले साल होने वाली वर्ल्ड यूथ महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिये च ालीफाई करेंगी। आज इस चैंपियनशिप के लिए एशियन हैंडबॉल फेडरेशन और हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के बीच करार पर हस्ताक्षर भी किये गए। इस दौरान इंटरनेशनल हैंडबॉल फेडरेशन के उपाध्यक्ष व एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के कोषाध्यक्ष बदर मोहम्मद अल तैयब तथा एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के टेक्निकल डायरेक्टर तालेब. हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय, महासचिव डा. तेजराज सिंह व संयुक्त सचिव स्वाति शुक्ला उपस्थित थे।

उधर, एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के पदाधिकारियों ने नोएडा का दौरा कर सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने इंडोर स्टेडियम के साथ-साथ पाँच सितारा होटल्स को भी देखा।

कर्नल सीके नायडू अंडर-25 के लिये यूपी टीम घोषित

कानपुर ,29 दिसम्बर 2022। आगामी एक जनवरी से शुरू होने वाली कर्नल सीके नायडू अंडर-25 टूर्नामेंट के लिये उत्तर प्रदेश की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया गया। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के अनुसार टीम में शामिल खिलाड़ियों में समीर रिजवी,राहुल राजपाल,हर्ष त्यागी, अंश यादव, सिद्धार्थ यादव,स्वस्तिक चिकारा,अभिषेक यादव,आदित्य सिंह (विकेटकीपर),प्रांजल सैनी (विकेटकीपर), कृतगया सिंह, नदीम,बॉबी यादव, पूर्णांक त्यागी, कुणाल त्यागी और वैभव चौधरी शामिल है। इसके अलावा गेंदबाजों और बल्लेबाजों के अभ्यास के लिये करण चौधरी,ईशान गोयल, सावन सिंह, शिवम बंसल, ऋतुराज शर्मा, अभिषेक गोस्वामी, शिवम सारस्वत और जीशान अंसारी को जगह दी गयी है। उत्तर प्रदेश की टीम ग्रुप सी में है जहां उसका मुकाबला झारखंड,तमिलनाडु,रेलवे,पुडेचेरी, असम और मणिपुर से होना है।

विश्वकप जीतने पर हरमनप्रीत ब्रिगेड होगी मालामाल

नई दिल्ली ,29 दिसम्बर 2022। अगले महीने ओडिशा में होने वाले हाकी के महाकुंभ यानी एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 में भारतीय टीम को प्रोत्साहित करने के लिये हाकी इंडिया ने नगद पुरस्कारों की घोषणा की है।

भारतीय टीम यदि विश्वकप का स्वर्ण पदक जीतती है तो टीम के प्रत्येक सदस्य को 25 लाख रूपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा जबकि सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को पांच पांच लाख रूपये मिलेंगे। भारत ने आखिरी बार 1975 में विश्व कप का खिताब जीता था। मलेशिया के कुआलालंपुर में फाइनल में उसने पाकिस्तान को हराकर प्रतिष्ठित खिताब जीता था।

हरमन ब्रिगेड अगर विश्वकप के फाइनल में हारती भी है, फिर भी हर खिलाड़ी को 15 लाख और सहयोगी स्टाफ को तीन लाख का नगद पुरस्कार दिया जायेगा

जबकि कांस्य पदक की उपलब्धि पर हर खिलाड़ी 10 लाख रुपये से सम्मानित किया जाएगा, जबकि सहायक कर्मचारी दो लाख रुपये के पुरस्कार के हकदार होंगे। यह निर्णय हॉकी इंडिया के कार्यकारी बोर्ड ने पिछली 24 दिसंबर को एक आभासी बैठक में लिया जिसका मकसद टीम के मनोबल को और बढ़ाने का था। विश्वकप में दुनिया की 16 शीर्ष टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा घरेलू विश्व कप में पदक जीतना निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए उनके सजे हुए करियर की सबसे अच्छी यादों में से एक होगा। हम उन्हें एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला के लिए शुभकामनाएं देते हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम देश का गौरव है और हम चाहते हैं कि वे इस खेल में सभी संभव ऊंचाइयों को छूएं। इसे हासिल करने में उनकी मदद करने और इस लक्ष्य के प्रति उन्हें और प्रेरित करने के लिए हमने टीम के लिए इस पुरस्कार की घोषणा की है। हरमनप्रीत एंड कंपनी बहुत सक्षम और प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और हमें यकीन है कि वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

अश्विन संयुक्त चौथे स्थान पर,अय्यर 10 पायदान चढ़े

ढाका,29 दिसम्बर 2022। बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में दूसरे टेस्ट में भारत की जीत के सूत्रधार रहे रविचंद्रन अश्विन और श्रेयस अय्यर आईसीसी रैंकिंग में क्रमशः चौथे और 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। मैच में छह विकेट लेने वाले अश्विन एक पायदान चढकर गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने दूसरी पारी में नाबाद 42 रन बनाये थे जिसकी मदद से वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीन पायदान चढकर 84वें स्थान पर पहुंच गए। अतीत में नंबर एक गेंदबाज और हरफनमौला रह चुके अश्विन ने हरफनमौलाओं की रैंकिंग में सात रेटिंग अंक हासिल किये। रविंद्र जडेजा हरफनमौलाओं की रैंकिंग में 369 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर हैं जबकि अश्विन के 343 अंक हैं। अश्विन के साथ 71 रन की अटूट साझेदारी करने वाले अय्यर कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 16वीं रैंकिंग पर पहुंच गए। प्लेयर आफ द सीरिज रहने के बावजूद चेतेश्वर पुजारा तीन पायदान गिरकर 19वें स्थान पर हैं जबकि विराट कोहली दो पायदान गिरकर 14वें स्थान पर आ गए। बल्लेबाजों में ऋषभ पंत छठे स्थान पर हैं जबकि गेंदबाजों में उमेश यादव 33वें स्थान पर हैं।

रॉकेट गैंग आज होगी रिलीज

कोरिओग्राफर बॉस्को लेस्ली मार्टिस द्वारा निर्देशित रॉकेट गैंग 11 नवंबर, 2022 को सिनमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। दर्शक पिछले महीने से इसके ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे थे और अब यह फिल्म जी5 पर दस्तक देने के लिए तैयार है। इस फिल्म में आदित्य सील, निकिता दत्ता, जेसन थम, सहज सिंह चहल, मोक्षदा जेलखानी, दीपाली बोरकर, तेजस वर्मा, जयश्री गोगोई, आद्विक मोंगिया और सिद्धांत शर्मा जैसे कलाकार हैं।

अब आप 30 दिसंबर को अपने परिवार या फिर दोस्तों के साथ रॉकेट गैंग को जी5 पर स्ट्रीम कर सकते हैं। इस फिल्म की कहानी एक डांस रियल्टी शो में भाग लेने वाले पांच बच्चों की है। फिल्म की पटकथा रवि शंकरन और जसविंदर सिंह बाथ ने दी है, जबकि सिनेमॅटोग्राफी सुनील पटेल ने की है। रॉकेट गैंग के लिए संगीत अमित त्रिवेदी ने दिया है और क्षितिज पटवर्धन, रफ्तार और तल्हा सिद्दीकी द्वारा फिल्म के गाने लिखे गए हैं।

साक्षी मलिक पर चढ़ा बोल्डनेस का खुमार

बॉलीवुड एक्ट्रेस साक्षी मलिक हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स से सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से इंस्टाग्राम पर कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस साक्षी मलिक का लुक देख कर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक्ट्रेस साक्षी मलिक हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण चर्चाओं में बनी हुई रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने ब्लैक कलर की शॉर्ट स्कर्ट और ब्लैक कलर का क्रॉप टॉप पहना हुआ है। ओपन हेयर और लाइट मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपनी इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- लेजी बट मिस्टीरियस लिखा है। एक्ट्रेस साक्षी मलिक जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर प्यार लूटाते हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस साक्षी मलिक अपना परफेक्ट टोंड फिगर फ्लॉन्ट करते हुए सेक्सी पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। साक्षी मलिक अपने हर लुक्स से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।

अवतारः द वे ऑफ वॉटर भारत में जल्द तोड़ सकती है एवेंजर्सःएंडगेम का रिकॉर्ड

अवतारः द वे ऑफ वॉटर दुनियाभर में छाई हुई है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नया कीर्तिमान रचने को है। महज 12 दिनों में फिल्म ने करीब 95 करोड़ डॉलर (लगभग 7,800 करोड़ रुपये) की कमाई कर ली है और यह जल्द ही 100 करोड़ डॉलर (लगभग 8,200 करोड़ रुपये) का आंकड़ा छू सकती है। जेम्स कैमरून की यह फिल्म 100 करोड़ डॉलर का आंकड़ा छूने वाली इस साल की तीसरी फिल्म बनने की ओर बढ़ रही है।

यह फिल्म 16 दिसंबर को रिलीज हुई थी। सिर्फ 12 दिनों में अवतार 2 ने 100 करोड़ डॉलर के करीब पहुंच गई है। इस साल यह आंकड़ा सिर्फ दो फिल्मों ने छुआ है। जुरासिक वर्ल्डः डोमिनियन और टॉप गन मैवरिक ने 100 करोड़ डॉलर कमाए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, जुरासिक वर्ल्डः डोमिनियन ने यह आंकड़ा चार महीने में पूरा किया था। वहीं टॉप गन मैवरिक ने यह कमाई 31 दिनों में पूरी की थी।

भारत में फिल्म ने सोमवार को करीब 12 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं मंगलवार को भी फिल्म का कलेक्शन करीब 9-11 करोड़ रुपये का रहा। इसको मिलाकर फिल्म भारत में करीब 273 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। फेस्टिव सीजन को देखते हुए अनुमान है कि फिल्म इस सप्ताह भी बेहतरीन कमाई करेगी। ऐसे में यह एवेंजर्सः एंडगेम (373 करोड़ रुपये) को पछाड़कर भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बन सकती है।

अवतारः द वे ऑफ वॉटर ने भारत में पहले दिन 38 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं एवेंजर्सः एंडगेम ने रिलीज के पहले दिन भारत में करीब 53 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

2009 की अवतार को अब तक की सबसे बेहतरीन साइंस-फिक्शन फिल्मों में गिना जाता है। फिल्म में दिखाया था कि 22वीं शताब्दी में मनुष्य एक महत्वपूर्ण खनिज अनओब्टेनियम को पैंडोरा ग्रह पर खोद रहे हैं जो पैंडोरा की प्रजातियों के लिए ही खतरनाक है। फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी, प्रोडक्शन डिजाइन और विजुअल इफेक्ट्स के लिए तीन ऑस्कर अपने नाम किए थे। सीक्वल रिलीज करने से पहले निर्माताओं ने सितंबर में अवतार को भी सिनेमाघरों में रिलीज किया था। सीक्वल की कहानी अपनी मूल कहानी से करीब 10 साल आगे है। इस बार जेक और नेतिरी के सामने खतरा ज्यादा है। उनके ऊपर अपने बच्चों को सुरक्षित रखने की भी जिम्मेदारी है। फिल्म में इस बार केट विंसलेट, मिशेल योह और क्लिफ कर्सिट भी नजर आए हैं। जेम्स कैमरून पुष्टि कर चुके हैं कि इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। 2024, 2026 और 2028 में इस फिल्म के अन्य सीक्वल रिलीज किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा-3 वजहों से बिजली दरों में वृद्धि

» बिजली बिल में वृद्धि बीसीए के रूप में हुई है,

» मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नवागढ़ विधानसभा के दाढ़ी गांव के लिए रवाना होने से पूर्व हेलीपैड पर पत्रकारों से की चर्चा,कहाकोल,डीलऔर ट्रांसपोर्टिंग चार्ज से दरें बढ़ीं

रायपुर,29 दिसम्बर 2022(ए)। बिजली बिल में वृद्धि बीसीए के रूप में हुई है। मख्यमंत्री ने बताया बिजली तीन जगहों से खरीदी जाती है। एक भारत सरकार दूसरा एंटीपिसी से और तीसरा बाजार से। अभी एनटीपीसी ने अपना रेट बढ़ा दिया है क्योंकि ईंधन की कीमतें बढ़ी है। कोयला और डीजल दोनों ही ईंधन है जिसके रेट में वृद्धि होने की वजह से बिजली बिल में वृद्धि हुई है। ट्राइंसपोर्टिंग चार्ज भी लगातार बढ़ा है। विदेशी कोयले के रेट में भी लागतार वृद्धि हुई है। मख्यमंत्री ने पूरे मामले पर भारत सरकार को ठहराया जिम्मेदार। ट्रेनों को बंद किए जाने का भी लगाया आरोप, मुख्यमंत्री ने कहा इस वृद्धि से प्रदेश के लोगो को लगातार पड़ रही है दोहरीमार।

राजभवन से फिर भेजे गए सवाल पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बड़ा बयान, संविधान की वयवस्था है जिसके माध्यम से राजभवन से सवाल पूछे जा रहे है। 166 के ख में उल्लेख है की राज्यपाल जानकारी दे वह स्टेज अब पूरा हो गया है। विधानसभा में पारित होने के बाद बिल राजभवन में जाता है। इसमें तीन स्टेज है या तो वो विधानसभा को लौटा दे, या राष्टपति को भेज दे या आरक्षित रख ले। यह प्राप्टर्री विधानसभा की है और अब बिल भी पारित हो गया है तो इसे डिले करने का कोई ओचित्य नही है।

मख्यमंत्री का बड़ा बयान , एकात्म परिसर से जो 10 सवाल आए है मैने उसका भी जवाब दे दिया है। प्रदेश के हितों को ध्यान रखते हुएं मैने उत्तर दे दिया है, लेकिन केवल राज्यपाल की हठधर्मिता सामने आ रही है। जो बात राज्य सरकार और राजभवन के बीच है उसे प्रेस रिलीज के माध्यम से सामने ला रहे है। मख्यमंत्री ने राज्यपाल से दुबारा कि अपील राज्यपाल हस्ताक्षर करे। मख्यमंत्री ने कहा यह हठधर्मिता ठीक नहीं है उन्हें अपनी हठ धर्मिता छोड़नी चाहिए। राज्यपाल के स्टैंड पर कहा जबरदस्ती शांत प्रदेश को प्रदर्शन की ओर लेकर जा रही है।

मुख्यमंत्री का बृजमोहन अग्रवाल के बयान पर पलटवार

भाजपा विरोध में क्यों अड़ गई है। बृजमोहन अग्रवाल ने आखिरकार राज्यपाल को हस्ताक्षर करने के लिए क्यों नही कुछ कहा ताकि कई भर्ती प्रक्रिया जो रुकी हुई है वो पुनः शुरू हो पाए।

बीजेपी बोली अत्याचार, 4 माह में दूसरी बार बिजली वीसीए चार्ज बढ़ा

अगस्त-सितंबर में खरीदी गई बिजली महंगी मिली। अब दिसंबर-जनवरी में प्रति यूनिट 49 पैसे वृद्धि की गई है

4 माह में दूसरी बार बिजली वीसीए चार्ज बढ़ाया गया है। क्योंकि अगस्त-सितंबर में खरीदी गई बिजली महंगी मिली। अब दिसंबर-जनवरी में प्रति यूनिट 49 पैसे वृद्धि की गई है। बिजली की दरें बढ़ाये जाने पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने बिजली सरप्लस स्टेट में बिजली का बिल लगातार बढ़ाना जनता के साथ अन्याय और अत्याचार बताया है।देखा जाए तो चार महीने में बिजली 0.72 रुपए प्रति यूनिट महंगी हो गई है। बिजली कंपनी के अफसरों का कहना है कि अगस्त व सितम्बर 2022 के दौरान छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने जो बिजली खरीदी है, उसकी लागत नियामक आयोग से अनुमोदित दर की तुलना में 549 करोड़ रुपए ज्यादा है। इस वृद्धि के कारण दिसम्बर-2022 व जनवरी 2023 के दौरान लागू वेरियेबल कॉस्ट एडजेस्टमेंट (वीसीए चार्ज) में 49 पैसे की वृद्धि हो रही है।

भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता में कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार लगातार जनता से लूट का एक भी मौका नहीं छोड़ना चाहती। बिजली बिल में कुछ दिन पहले सुरक्षा निधि के नाम से जनता को लूटा अब फिर बिजली दरों में बढ़ोतरी कर जनता कि जेब में डाका डाल रहे है .

आरक्षण को लेकर सियासी संग्राम!

मरकाम की गुगली से बघेल आउट

रायपुर,29 दिसम्बर 2022(ए)। आरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर सूबे में सियासी संग्राम मचा हुआ है। कांग्रेस व भाजपा एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे। इस बीच कांग्रेस ने अब आक्रामक रूख अपना लिया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने दुर्ग लोकसभा सांसद व कुर्मी समाज के प्रदेशाध्यक्ष विजय बघेल के लिए ऐसा गुगली फेंका है, जिसमें क्लीन बोल्ड होना तय है। दरअसल, अब तक भाजपा व बीजेपी नेता आरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा रहे।

ऐसे में छत्तीसगढ़ कांग्रेस की 3 जनवरी को महारैली निकाल रही है। इस रैली में सर्व समाज को शामिल होने का आमंत्रण भेजा है। मरकाम ने भेजे आमंत्रण में आरक्षण के पक्ष में सभी समाज से समर्थन मांगा है और कहा प्रदेशवासियों के हित में कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही जन अधिकार रैली में आप सब आमंत्रित हैं।

अब यही पत्र पीसीसी चीफ मरकाम ने दुर्ग सांसद व कुर्मी समाज के प्रदेशाध्यक्ष विजय बघेल को भी भेजा है। मरकाम ने लिखा है कि- आप अवगत ही हैं कि अपने छत्तीसगढ़ में आरक्षण को लेकर संकट की स्थिति पैदा हो गई है, विगत दिनों बिलासपुर उच्च न्यायालय के फैसले से छत्तीसगढ़ में लागू आरक्षण 50 प्रतिशत रह गया है।

हमारी सरकार ने सर्वसमाज के हित में निर्णल लेते हुए आदिवसियों, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग व आर्थिक रूप से वंचित वर्ग को 76 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आरक्षण का कानून रखा इसे विधानसभा में सभी दलों ने सर्वसम्मति से पारित भी किया।

पहले राज्यपाल ने तुरंत हस्ताक्षर करने का आश्वासन दिया था। परन्तु अब वे सहमति देने की जगह तरह-तरह से इसे अटका रही हैं। हमें लगता है कि भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के लोगों को आरक्षण देने से रोकना चाहती है और राजभवन जैसी संवैधानिक संस्था का दुरुपयोग करके आरक्षण कानून को रोक रही है।

आरक्षण विधेयक लंबित होने से प्रदेश में नयी भर्तियों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश भी प्रभावित हो रहा है। जिससे आज हमारे नौजवान युवा साथियों को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है। छत्तीसगढ़ के सर्व समाज के हित में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 3 जनवरी 2023 को राजधानी रायपुर में राज्यव्यापी महारैली किये जाने का निर्णय लिया है। मैं आपके माध्यम से आपके पूरे समाज को इस महारैली में सहभागी होने के लिए सादर आमंत्रित कर रहा हूं। 31 दिसम्बर को में दिनभर राजीव भवन में आपसे चची के लिए उपलब्ध रहूंगा। आप आरक्षण और महारैली पर चर्चा के लिए अपने साथियों के साथ आइए तो हम मिलकर सर्व समाज के हितरक्षा पर चर्चा करेंगे।

हीरालाल देवांगन संयुक्त संचालक,हुए प्रमोट संवाद के महाप्रबंधक की संभालेंगे जिम्मेदारी

रायपुर, 29 दिसम्बर 2022(ए)। जनसपर्क विभाग में प्रमोशन हुआ है। हीरालाल देवांगन को संयुक्त संचालक के पद पदोन्नत किया गया है। उप संचालक से संयुक्त संचालक पदोन्नत होने के साथ-साथ उन्हें छत्तीसगढ़ संवाद का जीएम बनाया गया है। वहीं दो सहायक संचालक को उप संचालक के पद पर पदोन्नति के साथ नयी पोस्टिंग मिली है। निलिमा अग्रवाल को जनसंपर्क कार्यालय कोरबा और साधराम लहरे दुर्ग में अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे।

लेह लद्दाख में शहीद हुआ छत्तीसगढ़ का लाल

धमतरी 29 दिसम्बर 2022(ए)। लेह लद्दाख सीमा पर ड्यूटी करते छत्तीसगढ़ का लाल मनीष नेताम देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए। कल 30 दिसंबर को उनकी पार्थिव देह को धमतरी लाया जाएगा। गांव में शहीद का राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। देश सेवा में शहीद मनीष मराठा रेजिमेंट में तैनात था। धमतरी जिला मुख्यालय से

करीब 10 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत खरेंगा में मराठा रेजिमेंट का जवान मनीष नेताम पिछले तीन सालों से सेना में भर्ती होकर देश सेवा कर रहे थे। वर्तमान में वह देश के लेह-लद्दाख सीमा पर ड्यूटी कर रहे थे। 28 दिसंबर की सुबह लेह-लद्दाख में ड्यूटी के दौरान उन्हें अचानक सांस में तकलीफ हुआ। अन्य जवानों ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शहीद मनीष अपने परिवार में इकलौता बेटा था। उनके पिता राजेन्द्र नेताम मजदूर हैं और मां आंगनबाड़ी में सहायिका है। उनके एक बहन खिलेश्वरी है, जिनकी शादी हो चुकी है। उनके पति भी सेना में है, जो देश सेवा कर रहे हैं। बचपन से ही मेधावी मनीष नेताम की पढ़ाई-लिखाई गांव के स्कूल में हुई थी।

किशोर बिटिया की देखभाल का अधिकार मां को,हाई कोर्ट का अहम आदेश

बिलासपुर, 29 दिसम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई के बाद एक नाबालिग लड़की को कस्टडी में देने की पिता की अपील को खारिज कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि जैविक परिवर्तन से गुजरने की उम्र में उसकी मां ही लड़की की सही देखभाल कर सकती है।

कोर्ट में आरोप-प्रत्यारोप

इस मामले में पति पत्नी के बीच सन् 2009 में विवाह हुआ था और 1 साल बाद उनसे एक बच्ची ने जन्म लिया। कुछ समय के बाद दोनों में संबंध खराब हो गए और पत्नी अलग रहने लग गई। पत्नी ने गुजारा भत्ता के लिए परिवार न्यायालय में आवेदन लगाया। पति ने तर्क दिया कि पत्नी ने उस पर झूठे आरोप लगाए हैं। वह आपराधिक स्वभाव की है इसलिए बच्ची को मेरी कस्टडी में दी जानी चाहिए। आरोपों से इनकार करते हुए पत्नी ने बताया कि पति ने उसके गहने ले लिए हैं और उसे दहेज के लिए शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ति किया है। बच्ची को कस्टडी में मांगने के पति की दलील का विरोध करते हुए उसने कहा कि वह अपनी बच्ची की देखभाल और पढ़ाई ठीक तरह से करा रही है। परिवार न्यायालय ने पति को आदेश दिया कि वह गुजारा भत्ता दे। न्यायालय ने पति के उस आवेदन को भी खारिज कर दिया जिसमें उसने बच्चे की कस्टडी की मांग की थी।

अपील ख़ारिज करने की ये है वजह

परिवार न्यायालय के फैसले के विरुद्ध पति ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी जिसकी सुनवाई जस्टिस गौतम भादुड़ी और जस्टिस राधा किशन अग्रवाल की बेंच में हुई। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि बच्चे की उम्र 10 वर्ष है। 10 से 15 वर्ष की आयु तक लड़की कुछ जैविक परिवर्तनों से गुजरती है जिसकी देखभाल मां अच्छी तरह कर सकती है न कि पिता। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने परिवार न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा है।

बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा में शून्य अंक मिला तो भी होगा एडमिशन..

सरकार ने क्यों लिया यह फैसला

रायपुर, 29 दिसम्बर 2022(ए)। प्रदेश में बीएससी नर्सिंग में प्रवेश की परीक्षा में जितने भी विद्यार्थी शामिल हुए हैं, उन सभी को इसमें प्रवेश दिया जायेगा। जी हाँ, यह मजाक नहीं हकीकत है। चिकित्सा विभाग ने बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित सभी विद्यार्थियों को प्रवेश देने का फैसला किया गया। यहां नर्सिंग कॉलेजों में रिक्त सीटों को देखते हुए शासन ने यह निर्णय लिया है। इस समय प्रदेश में 27 सौ से अधिक सीटें रिक्त बताई गई है, लेकिन प्रवेश के लिए सिर्फ 2 दिन का समय होगा। बीएससी नर्सिंग पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग के लिए खाली सीटों की संख्या को देखते हुए नियमों को प्रवेश वर्ष 2022 -23 में न्यूनतम अंक परसेंटाइल को शून्य घोषित किया गया है। सभी अभ्यर्थी 31 दिसंबर तक मेरिट के क्रमानुसार और वैकेंसी में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

नक्सलियों ने टावर लगाने का किया विरोध

सरपंच-उपसरपंच के हाथ पैर काटने की दी धमकी

नारायणपुर, 29 दिसम्बर 2022(ए)। जिले के कुकराझोर थाना क्षेत्र अंतर्गत गोटा गांव में गोंगला गोटाबेनुर चौक पर नक्सलियों ने बैनर टांग कर मोबाइल टावर लगाने का विरोध किया है, नक्सलियों ने पंचायत के जनप्रतिनिधियों को काम बंद कराने की चेतावनी देते हुए आदेश नहीं मानने पर सरपंच और उपसरपंच के हाथ पैर काटने की धमकी दी है। बैनर लगने के बाद गांव में दहशत का महौल बना हुआ है, वहीं टावर का निर्माण कार्य भी बंद कर दिया गया है।

नक्सलियों के नेलनार एरिया कमेटी के सचिव समडू के द्वारा जिले के ग्राम बावड़ी पंचायत के आश्रित गांव में गोंगला गोटाबेनुर चौक में नक्सलियों ने बैनर लगाया है, जिस पर उन्होंने सरपंच और उप सरपंच को धमकी देने के साथ ही बावड़ी ग्राम में मोबाइल के टावर लगाने के कार्य को बंद कराने की बात कही है। नक्सलियों ने बैनर में लिखा कि हमें टावर की कोई आवश्यकता नहीं है, गांव में लग रहे टावर के निर्माण को तत्काल बंद करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना कंगाले दिए निर्देश

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में हुई दिव्यांग मतदाताओं के सुगम मतदान हेतु गठित राज्य स्तरीय संचालन समिति की बैठक, दिव्यांग मतदाताओं और थर्ड जेंडर मतदाताओं का पंजीयन बढ़ाने मदद भी लेने कहा

रायपुर, 29 दिसम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले की अध्यक्षता में दिव्यांग मतदाताओं के सुगम मतदान हेतु गठित राज्य स्तरीय संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई। उन्होंने बैठक में दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान को सुगम बनाने समाज कल्याण विभाग और लोक शिक्षण संचालनालय को निर्देशित किया। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, समाज कल्याण विभाग के संचालक कुमार शर्मा, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. के.आर.आर. सिंह, लोक शिक्षण संचालनालय के अपर संचालक जे.पी. रथ और उप संचालक एस.एन. पंडा भी बैठक में मौजूद थे।

श्रीमती कंगाले ने सुगम मतदान के लिए आगामी निर्वाचनों में मतदान केन्द्र पर अनिवार्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए समाज कल्याण विभाग और लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने चिन्हित दिव्यांग मतदाताओं को दिव्यांगता का चिकित्सा प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सहयोग से विशेष शिविर आयोजित करने कहा। उन्होंने दिव्यांग मतदाताओं का मतदान केन्द्रवार चिन्हांकन कर उनके नाम सर्वर में एन्ट्री कराने के लिए जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि दिव्यांग मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में त्रुटिरहित तरीके से अंकित किया जा सके।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने संचालन समिति की बैठक में मतदान केन्द्रों पर सुनिश्चित की गई अनिवार्य बुनियादी सुविधाओं की वास्तविक उपलब्धता को चिन्हित करने के लिए लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों को थर्ड पार्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्कूलों में अध्ययनरत 17 वर्ष से अधिक उम्र के छात्र-छात्राओं की सूची तैयार करने एवं मतदाता सूची में पंजीयन हेतु अग्रिम आवेदन कराने के लिए विद्यालय स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन करने कहा। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग मतदाताओं एवं वरिष्ठ मतदाताओं के सहयोग के लिए एनएसएस एवं एनसीसी के चयनित विद्यार्थियों के विशेष प्रशिक्षण के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा-राहुल गांधी की सुरक्षा में ढिलाई बरती गई

रायपुर, 29 दिसम्बर 2022(ए)।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा- राहुल गांधी की सुरक्षा में ढिलाई बरती गई है। जब भारत जोड़ो यात्रा ने दिल्ली प्रवेश किया तो उन्हें सुरक्षा नहीं दी गई। दिल्ली की पुलिस केंद्र सरकार के अधीन आती है। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के सही इंतजाम नहीं किए वहां अफरा-तफरी की परिस्थिती बनी, ये दुर्भाग्यजनक है और चिंता का विषय भी है। राहुल की सुरक्षा में जानबूझकर चूक का आरोप कांग्रेस लगा रही है। इस मामले में गुरुवार को मीडिया से चर्चा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने बयान दिया। रायपुर से नवागढ़ रवाना होने के पहले हैलीपैड पर उन्होंने मीडिया से बात की।

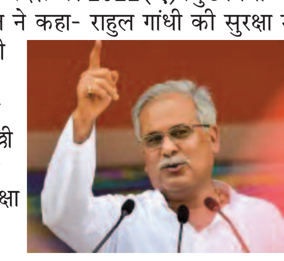

नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ बीजेपी ने नगर निगम मुख्यालय का किया घेराव

बेरिकेट्स तोड़कर कार्यकर्ता पहली मंजिल में चढ़े

रायपुर, 29 दिसम्बर 2022(ए)।विकास कार्यो में नगर निगम द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ आज भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर निगम मुख्यालय का घेराव कर शहर के 70 वार्डों में व्याप्त सफाई व्यवस्था केंद्र से आने वाले पैसे का दुरुपयोग, स्मार्ट सिटी में व्याप्त भ्रष्टाचार सड़कों की बदहाली सहित अनेक मुद्दों पर रैली निकालकर जमकर नारेबाजी की। भाजपा कार्यकर्ताओं का आक्रोश इतना था कि नगर निगम मुख्यालय के द्वार के करीब लगी जाली से चढ़कर अनेक कार्यकर्ता नगर निगम मुख्यालय की पहली मंजिल तक पहुंचे इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस बल की जमकर नोंकझोंक हुई। कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा लगाए गये बेरिकेट्स को तोड़कर कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, आरडीए के पूर्व अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, पर्यटन निगम के अध्यक्ष केदार गुप्ता सहित अनेक नेताओं ने मुख्यमंत्री पर केंद्र से आए पैसे का दुरुपयोग किये जाने का आरोप लगाया। साथ ही भाजपा नेताओं ने यह भी कहा कि वार्ड में साफ सफाई का इंतजाम नहीं होने से घरों में आने वाले रहवासियों के रिश्तेदारों के सामने शर्मंदगी का सामना लोगों को करना पड़ता है। घेराव के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शामिल होकर अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)